कोटद्वार, बुधवार
6 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 16 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

बहन जैसी महिला से दरिंदगी करने वाले को मिली सजा-ए-मौत

महिला के भेष में आया, फिर बहन की देवरानी से दुष्कर्म का किया प्रयास

मथुरा (एजेंसी)। फरह थाना क्षेत्र में विवाहिता को जिंदा जलाने वाले को जिला जज विकास कुमार ने फांसी की सजा सुनाई है। अभियुक्त ने महिला का भेष धारण कर घर में प्रवेश किया और वारदात को अंजाम दिया था।फरह थाना क्षेत्र के एक गांव में हरियाणा के जिला पलवल क्षेत्र में गांव हसनपुर के चामण मोहल्ला निवासी उमेश कुमार की बहन रहती है। 11 मार्च 2025 की दोपहर महिला का भेष धारण कर वह अपनी बहन के घर में घुस गया था। इसके बाद घर में मौजूद बहन की देवरानी के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर महिला पर पेट्रोलियम पदार्थ डाल कर उसे जला दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो उमेश छत से कूदकर भाग गया। इससे उसके सिर व पैर में चोट आई गई थी। परिजन ने घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया।वहीं घायल उमेश को फरह पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। महिला के पति ने उमेश के खिलाफ फरह थाने में पत्नी को जिंदा जलाकर उसकी हत्या करने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने उमेश को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। यहां से उसे जेल भेज दिया।

ये तो 'लूट' मीटर है: खाली फ्लैटों के आ रहे 3000 के बिजली बिल, फूटा लोगों का गुस्सा

बिजली नहीं बिल दे रहे लोगों को झटके

नहीं जला एक बल्ब, फिर आ गया बिल

ग्रेटर नोएडा(एजेंसी)। सेक्टर 22-डी सोसाइटी में बिजली बिलिंग को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। यहां खाली पड़े फ्लैटों पर भी हर महीने करीब 3000 रुपये तक के बिजली बिल जारी किए जा रहे हैं। बिना उपयोग के भारी बिल आने से उपभोक्ता में नाराजगी बढ़ती जा रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि कई फ्लैट बंद पड़े हैं, जहां बिजली का कोई इस्तेमाल नहीं हो रहा। इसके बावजूद बिलों में खपत दिखाई जा रही है। मामले को लेकर बिजली विभाग पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि बिना मीटर रीडिंग लिए ही मनमाने तरीके से बिल तैयार कर दिए जाते हैं, जिससे वास्तविक खपत से कई ज्यादा अधिक राशि वसूल की जा रही है। परेशान निवासियों ने अब इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो सामूहिक स्तर पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा : पांच की मौत

नूंह में ओवरटेक करने की कोशिश और गाड़ी की जोरदार टक्कर, पलभर में खत्म हो गई पांच जिंदगियां

नूंह (एजेंसी)। जिले में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा धुलावट टोल प्लाजा के पास करीब सुबह 10:30 बजे हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल तुरंत मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक स्कॉर्पियो कार पलवल की ओर से आ रही थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक वाहन चालक ने ओवरटेक करने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान गाड़ी असंतुलित हो गई और सामने चल रही दूसरी गाड़ी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। क्षतिग्रस्त वाहन में शव बुरी तरह फंस गए, जिन्हें निकालने के लिए पुलिस और बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर एंबुलेंस बुलाकर राहत एवं बचाव कार्य जारी रखा गया।तावडू सदर थाना प्रभारी शीशराम यादव के अनुसार, हादसे में मृत सभी लोग उत्तर प्रदेश पुलिस के जवान थे, जो जालौन जिले में तैनात थे। इस संबंध में जालौन, उत्तर प्रदेश के पुलिस अधीक्षक से भी संपर्क कर लिया गया है। फिलहाल मृतकों की शिनाख्त और अन्य औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह तेज रफ्तार और ओवरटेक के दौरान वाहन का नियंत्रण खोना बताया जा रहा है। प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि एक्सप्रेसवे पर सावधानी से वाहन चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें।

ममता बोलीं: इस्तीफा नहीं दूंगी, हम हारे नहीं, हराया गया

चुनाव आयोग विलेन, भाजपा से मिलकर 100 सीटें लूटीं, मैं आजाद पंछी, शेर की तरह लड़ूंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- मैं उट पद से इस्तीफा नहीं दूंगी। हम जनादेश से नहीं, साजिश से हारे हैं। इसलिए इस्तीफा देने राजभवन नहीं जाऊंगी। ममता ने आगे कहा- चुनाव आयोग असली विलेन है। उसने भाजपा के साथ मिलकर 100 सीटें लूटीं। अब मेरे पास कोई कुर्सी नहीं है, मैं आजाद पंछी हूं। कहीं से भी चुनाव लड़ सकती हूं, सड़कों पर रहूंगी। ममता ने आरोप लगाया- भाजपा ने काउंटिंग सेंटरों पर कब्जा कर लिया था। मेरे साथ बदसलूकी की। उम्मीदवारों और कार्यकताओं के साथ अत्याचार किया। पार्टी और इंडिया गठबंधन के नेता मेरे साथ हैं। हम फिर से उभरेंगे और शेर की तरह लड़ेंगे। पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल में भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीत ली हैं। पार्टी 9 मई को राज्य में पहली बार सरकार बनाने जा रही है। TMC सिर्फ 80 सीटें जीत सकी। 15 साल बाद ममता के हाथ से सत्ता चली गई है। मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मैं हारी नहीं हूं। मेरे इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। इसलिए राजभवन नहीं जाऊंगी। वे ऑफिशियली हमें हरा सकते हैं, लेकिन नैतिक रूप से हम चुनाव जीते हैं। चुनाव से दो दिन पहले हमारे लोगों को गिरफ्तार किया गया। जगह-जगह छापे मारे गए। IPS-IAS अधिकारियों का तबादला किया गया। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं। मैंने राजीव गांधी, मनमोहन सिंह, वाजपेयी सहित कई सरकारें देखीं, लेकिन ऐसा अत्याचार कभी नहीं देखा। अत्याचार की कोई सीमा नहीं रही। यहां लोगों को प्रताड़ित किया गया। पहले राउंड की काउंटिंग के बाद ही वे कहने लगे कि भाजपा 195-200 सीटें जीत रही है। अंतिम नतीजे का इंतजार नहीं किया। इखढ वालों ने पोलिंग स्टेशन के अंदर घुसकर लोगों और काउंटिंग एजेंट्स को पीटना शुरू कर दिया। हम चुनाव आयोग के खिलाफ कदम उठाएंगे। क्या करेंगे, यह अभी नहीं बताएंगे। दूसरी बात, हमने फैसला किया है कि 5 सांसदों समेत 10 लोगों की एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनाई जाएगी। गंगासागर से कन्याकुमारी तक पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने भाजपा विरोधी राजनीति के बड़े ह्यपॉवर सेंटर्सह्न को बड़ा झटका दिया है। ममता बनर्जी और एमके स्टालिन भाजपा को चुनौती देने वाले प्रमुख चेहरे थे। बंगाल (42) और तमिलनाडु (39) लोकसभा की 81 सीटें तय करते हैं। इनके ढहने से इंडिया गठबंधन पिछड़ गया। केरल में कांग्रेस की जीत उसे राहत देती है, लेकिन यह बढ़त विपक्ष में नई खींचतान शुरू करेगी। अब विपक्ष की लड़ाई सत्ता की नहीं, प्रासंगिकता बचाने की हो गई है। ममता बनर्जी के इस्तीफा नहीं देने के बयान पर भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सब कुछ संविधान में लिखा है।

इंडिगो फ्लाइट में पावर बैंक ब्लास्ट: 5 पैसेंजर घायल

▶ बैग में रखा था

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हैदराबाद से चंडीगढ़ आ रही इंडिगो फ्लाइट 6ए 108 में मंगलवार को पावर बैंक में ब्लास्ट हो गया। इससे 5 यात्री घायल हो गए। पावर बैंक एक यात्री के बैग में रखा था। घटना उस समय हुई, जब फ्लाइट एयरपोर्ट पर खड़ी थी। हादसे के बाद फ्लाइट में धुआं भर गया, जिससे यात्री घबरा गए। यात्रियों को इमरजेंसी गेट से निकाला गया। कुछ फोटो भी लोगों ने शेयर किए हैं। जिसमें एक महिला को एंबुलेंस में रखा गया था। क्रू मेंबर्स ने तुरंत फायर सेफ्टी उपकरणों का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाया। अभी तक यह साफ नहीं हुआ के पावर बैंक ब्लास्ट कैसे हुआ। पुलिस और एयरपोर्ट अथारिटी की टीमें जांच कर रही है। इंडिगो की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुरंत विमान खाली कराया गया और संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचना दी गई। सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से टर्मिनल तक पहुंचाया गया, जहां एयरलाइन की टीम उनकी सहायता में जुटी रही। एयरलाइन के अनुसार विमान को दोबारा संचालन में लाने से पहले जरूरी तकनीकी जांच की जाएगी। इंडिगो ने कहा कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सूत्रों के मुताबिक इंडिगो की फ्लाइट 6E-108 (HYD-IXC) करीब 3:29 बजे सुरक्षित उतरी। विमान में 198 यात्री, दो बच्चे और छह क्रू मेंबर सवार थे। लैंडिंग के बाद जब विमान वे नंबर-1 की ओर बढ़ रहा था, तभी सीट 39उ पर बैठे यात्री ने क्रू को अपने पावर बैंक में आग लगने की जानकारी दी। आशंका जताई गई कि पावर बैंक फट गया था। कैबिन क्रू ने तुरंत फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग पर काबू पाया, लेकिन विमान के अंदर धुआं फैल गया।

राजस्थान-बांसवाड़ा में नदी में नाव पलटी, बच्चे समेत 2 लापता: 8 लोग तैरकर बाहर निकले

बांसवाड़ा (एजेंसी)। राजस्थान के बांसवाड़ा में माही नदी में नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें 10 लोग सवार थे, नाविक सहित 8 लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए। 8 साल का बच्चा और एक युवक लापता है। हादसा अरथूना थाना क्षेत्र में पांचवाड़ा पंचायत के भैंसाउ गांव में मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ। घटना की सूचना मिलते ही अरथूना पुलिस ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। प्रशासन ने तुरंत स्थानीय गोताखोरों और सिविल डिफेंस की टीम को बुलाया। जयेश (21) पुत्र कचरा और मानव (8) पुत्र नाथू को टीम तलाश रही है। उनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नाव सवार सभी लोग अरथूना थाना क्षेत्र के गांव भानो का पाड़ा के रहने वाले हैं। वे संगमेश्वर महादेव मंदिर घूमने आए थे। मंदिर दर्शन करने के बाद सभी माही नदी में बोटिंग के लिए जा रहे थे। किनारे से 200 मीटर अंदर नदी में जाने पर नाव पलट गई। हादसे के बाद नाविक फरार है। जानकारी के अनुसार, नाव में यात्रियों को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। इसके कारण किसी ने भी लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। हादसे का कारण प्रारंभिक जांच में क्षमता से ज्यादा यात्रियों का नाव में सवार होना भी बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है- जहां हादसा हुआ, वह माही नदी का क्षेत्र है। यहां 3 नदियों माही, अनास और जाखम का संगम होता है। संगम क्षेत्र होने के कारण यहां भगवान महादेव का प्राचीन मंदिर भी है, जिसे संगमेश्वर महादेव मंदिर कहते हैं। यह मंदिर साल में करीब 8 महीने पानी में डूबा रहता है। डीएसपी बाबूलाल रैगर ने बताया- नाव पानी में पूरी तरह से डूबी हुई है। वह अभी मिली नहीं है।

यूपी: राहुल गांधी पर आय से अधिक संपत्ति का आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक नई आपराधिक याचिका दायर की गई है, जिसमें रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कथित रूप से आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा विस्तृत जांच और नियमित मामला (आरसी) दर्ज करने की मांग की गई है।यह याचिका, न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति जफीर अहमद की खंडपीठ के समक्ष 6 मई को नए मामलों की सूची में सूचीबद्ध है। याचिका पर सुनवाई बुधवार को होने की संभावना है।कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने यह याचिका दायर की है।याचिकाकर्ता शिशिर ने कहा कि इसमें सीबीआई निदेशक, नई दिल्ली, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग, गृह मंत्रालय और गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय को भी इस मामले में प्रतिवादी बनाया गया है। कहा कि यह राहुल गांधी के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों के मुकाबले कथित रूप से अधिक संपत्ति के मामले में उनकी नई याचिका है।

यूएई में 3 भारतीयों के घायल होने पर भारत नाराज

मोदी बोले: इसे स्वीकार नहीं करेंगे, ऑयल पोर्ट पर ईरान ने कल हमला किया था

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। UAE के फुजैराह में ऑयल पोर्ट पर ईरानी हमले को लेकर भारत ने विरोध जताया है। इस हमले में 3 तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत हिंसा बंद करने और आम लोगों को निशाना नहीं बनाने की अपील की है। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बिना रुकावट जारी रहनी चाहिए। इससे पहले UAE ने दावा किया था उसने ईरान की 12 बैलिस्टिक, 3 क्रूज मिसाइल और 4 ड्रोन को कामयाबी से रोक दिया है। हालांकि ईरान ने इस पूरे मामले पर कोई बयान जारी नहीं किया है। पीएम मोदी ने भी इस घटना को लेकर पोस्ट किया और कहा कि आम लोगों और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि अमेरिका ईरान के साथ लड़ाई नहीं चाहता, लेकिन होर्मुज में जहाजों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत अमेरिका की सेना होर्मुज में काम कर रही है, ताकि जहाज सुरक्षित तरीके से आ-जा सकें। पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका का मकसद ईरान के गैरकानूनी दबाव को खत्म करना है, जो वह इस समुद्री रास्ते पर बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने यह भी साफ किया कि अमेरिका को इस मिशन के लिए ईरान के हवाई क्षेत्र या समुद्री सीमा में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी वायुसेना का एक KC-135 स्ट्रैटोटैंकर विमान कतर के ऊपर इमरजेंसी सिग्नल देने के बाद लापता हो गया। KC-135 स्ट्रैटोटैंकर को फ्लाइंग गैस स्टेशन कहा जाता है, क्योंकि यह हवा में अन्य सैन्य विमानों को ईंधन भरने में सक्षम है। रिपोर्ट के अनुसार, विमान ने उड़ान के दौरान '7700' इमरजेंसी सिग्नल भेजा। यह सिग्नल तब दिया जाता है जब विमान में कोई गंभीर समस्या हो। हालांकि अमेरिका ने इसे लेकर जानकारी शेयर नहीं की है। यह विमान UAE के अल धफरा एयर बेस से उड़ा था और फारस की खाड़ी के ऊपर उड़ रहा था। इसी दौरान कतर के पास उसका सिग्नल कुछ समय के लिए गायब हो गया। फ्लाइट डेटा के मुताबिक, विमान कुछ देर तक आसमान में चक्कर लगाता रहा और फिर नीचे उतरने लगा। अभी तक यह साफ नहीं है कि विमान में क्या खराबी आई थी। यह भी नहीं पता कि यह कोई तकनीकी समस्या थी या कुछ और। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने इस घटना की जानकारी दी है, लेकिन ईरान की इसमें किसी भी भूमिका होने की बात नहीं कही गई है। अमेरिका ने होर्मुज में अपना बड़ा युद्धपोत वरर जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश भेजा है। यह कदम डोनाल्ड ट्रम्प की नई योजना प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत उठाया गया है। इस योजना का मकसद उन जहाजों को सुरक्षित निकालना है, जो होर्मुज में फंसे हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, इस युद्धपोत पर 60 से ज्यादा विमान मौजूद हैं, जो इस मिशन में मदद कर रहे हैं। दुबई की पत्रकार नताशा तुराक के मुताबिक, फुजैराह वअए के लिए बहुत जरूरी जगह है। यहां से देश का बड़ा हिस्सा तेल बाहर भेजा जाता है।

आम आदमी पार्टी पर भड़के राघव चड्ढा

बीजेपी में गए सांसदों के उत्पीड़न का आरोप, बोले- खतरनाक खेल शुरू आप किए, अंत खराब होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी उन सांसदों के खिलाफ खतरनाक बदले की राजनीति कर रही है। ये सांसद अप्रैल में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। राघव चड्ढा के अनुसार, विलय के बाद से ही उनका लगातार उत्पीड़न हो रहा है।राज्यसभा सांसद ने कहा कि उत्पीड़न के कई मामले सामने आए हैं। विश्व कप विजेता हरभजन सिंह के जालंधर स्थित निवास पर पथराव किया गया। पंजाब पुलिस की मदद से उनके घर के बाहर 'देशद्रोही' लिखा गया। उनकी माता और बहनों के बारे में आपत्तिजनक नारे भी लगाए गए। पद्म श्री राजेंद्र गुप्ता की पंजाब के मालवा इलाके में स्थित फैक्ट्री को बंद करने का प्रयास हुआ।पंजाब सरकार ने उनकी फैक्ट्री का पानी का कनेक्शन काट दिया। प्रदूषण बोर्ड ने छापा मारकर फैक्ट्री बंद करने की कार्रवाई शुरू की। सांसद संदीप पाठक, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के प्राध्यापक थे, उनके खिलाफ दो दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत प्राथमिकी दर्ज की गईं। मीडिया के माध्यम से उनकी गिरफ्तारी की अफवाह फैलाई गई। राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी को चेतावनी दी कि यह खतरनाक खेल है जिसका अंत बुरा होगा। राघव चड्ढा ने बताया कि जब तक वे आम आदमी पार्टी के साथ थे, तब तक उन्हें अच्छा और संस्कारी बताया जाता था। पार्टी छोड़ने के बाद उन्हें गलत और भ्रष्टाचारी घोषित कर दिया गया। राघव चड्ढा ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार की एजेंसियों और पैसे का दुरुपयोग हो रहा है। आम आदमी पार्टी इस प्रकार से गंदा खेल रच रही है। उन्होंने पहले भी आम आदमी पार्टी में 'जहरीली कार्य संस्कृति' होने की बात कही थी। उनका मानना है कि पार्टी भ्रष्टाचारी और समझौताग्रस्त लोगों के हाथों में फंस चुकी है। राघव चड्ढा ने पंजाब सरकार के अधिकारियों से भी अपील की है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे आम आदमी पार्टी सरकार की धमकियों से न डरें। नेता और विशेष कर्तव्य अधिकारी तबादले या निलंबन की धमकी दे रहे हैं। वे 6-7 लोगों के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार चंद महीनों की मेहमान है। अधिकारियों को कानून के तहत और देश हित में फैसले लेने चाहिए।

उत्तराखण्ड बनेगा भारतीय ज्ञान-विज्ञान और संस्कृति का वैश्विक केंद्र

ऋषिकुल, हरिद्वार में श्री मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान विश्वस्तरीय स्वरूप में होगा विकसित

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक कर ऋषिकुल, हरिद्वार में श्री मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान के समग्र विकास और विस्तार की योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में संस्थान को भारतीय ज्ञान परंपरा, प्राचीन विज्ञान, संस्कृति और आधुनिक शोध के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड केवल आस्था और अध्यात्म की भूमि नहीं, बल्कि ऋषियों, ज्ञान और वैज्ञानिक चिंतन की भी भूमि रही है। ऋषिकुल, हरिद्वार में इस महत्वपूर्ण संस्थान को नई पहचान देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्री मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान का कार्य जल्द शुरू किया जाए। कुंभ शुरू होने से पहले यह कार्य पूर्ण किया जाए। पर्यटन विभाग इसमें नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु

को निर्देश दिये कि इस संस्थान के कार्यों की नियमित प्रगति के लिए संबंधित विभागीय सचिवों के साथ पाक्षिक बैठकें की जाएं। इसमें विकास के साथ विरासत के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। राज्य के सभी जनपदों की लोक कला पर आधारित गतिविधियां भी इसमें शामिल की जाएं। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थान में वैदिक गणित, वेदों में निहित विज्ञान, उपनिषदों का दर्शन, भारतीय तर्कशास्त्र, पर्यावरण विज्ञान तथा जीवन मूल्यों पर आधारित शोध और अध्ययन की आधुनिक व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि भारत ने विश्व को शून्य, दशमलव प्रणाली, बीजगणित और त्रिकोणमिति जैसे महत्वपूर्ण गणितीय सिद्धांत दिए हैं। आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त और वराहमिहिर जैसे महान विद्वानों के योगदान को शोध और शिक्षा से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन भारत में धातु विज्ञान, जल प्रबंधन, जैविक खेती और मौसम आधारित कृषि ज्ञान अत्यंत विकसित था, जिसे आधुनिक अनुसंधान से जोड़कर नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय में वेदों और उपनिषदों में वर्णित नैतिक शिक्षा, अनुशासन, कर्तव्यबोध और मानवीय मूल्यों को समाज तक पहुंचाना आवश्यक है। यह संस्थान शिक्षा के साथ संस्कार और राष्ट्र निर्माण का भी केंद्र बनें।

धाम में टोकन से ही श्रद्धालुओं को कराएं दर्शन

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा को सुरक्षित, सुगम बनाने के लिए आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडेय व पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप ने धाम पहुंचकर यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने धाम क्षेत्र में संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त व आईजी ने बाबा केदार के दर्शन के लिए लागू टोकन व्यवस्था की समीक्षा की और निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से ही दर्शन कराए जाएं। उन्होंने कहा कि शौचालयों की नियमित सफाई, पेयजल की उपलब्धता व पर्याप्त सफाई कर्मियों की तैनाती हो। उन्होंने कूड़ा निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखने एवं धाम क्षेत्र में हो रही बर्फबारी के कारण फिसलन वाले स्थानों पर नियमित रूप से बर्फ हटाने, हेलिपैड पर यात्रियों की सुविधा के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर केदार सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, ब्लॉक प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, वरिष्ठ तीर्थपुरोहित उमेश चंद्र पोस्ती, जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर व बीकेटीसी के सदस्य डॉ, विनीत पोस्ती व तीर्थपुरोहित उपस्थित रहे।

महिलाओं और बुजुर्गों के लिए 20 वाहन आरक्षित

केदारघाटी टैक्सी यूनियन सोनप्रयाग ने महिला और बुजुर्ग तीर्थयात्रियों की सुविधा को देखते हुए 20 शटल वाहनों को उनके के लिए आरक्षित किया है। दरअसल सोनप्रयाग में बेरिकेडिंग पार करते हुए शटल वाहन में पहले बैठने के लिए हर किसी को जल्दी रहती है। महिलाओं व बुजुर्ग व्यक्तियों को समय पर अनुकूल सीट नहीं मिल पाती है जिस कारण वे काफी देर बाद गारीकुंड ही पहुंच पाते हैं। इस समस्या को देखते हुए यूनियन ने ऐसे यात्रियों के लिए 20 वाहन आरक्षित किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराधिकारी संगठन ने स्वराज भवन में एक कक्ष मांगा

बागेश्वर। उत्तराखंड स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तराधिकारी संगठन ने स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन के पदाधिकारियों ने जनपद के सभी स्वतंत्रता सेनानी परिवारों से जुड़ी लंबित समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग की। मंगलवार को संगठन के अध्यक्ष कैप्टन धर्मेंद्र कुमार पांडे के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। इसमें उन्होंने कहा कि नुमाईशखेत स्थित स्वराज भवन में संगठन के लिए एक कक्ष कार्यालय के लिए आवंटित किया जाए, ताकि स्वतंत्रता सेनानी एवं उनके उत्तराधिकारी एक स्थान पर अपनी समस्याओं के समाधान के लिए समन्वय कर सकें। इसके अलावा जनपद के सभी स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के घरों के पास सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की गई। संगठन ने यह भी बताया कि कई स्वतंत्रता सेनानियों के उत्तराधिकारियों के परिचय पत्र तथा पेंशन संबंधी मामले लंबित पड़े हैं। इन मामलों का शीघ्र निस्तारण की मांग की। कहा कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में कई स्वतंत्रता सेनानियों के शिलापट्ट अब तक स्थापित नहीं हो पाए हैं। संगठन ने जिलाधिकारी से इन सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक गिरीश चंद्र जोशी, सचिव पंकज सिंह डसीला, कोषाध्यक्ष गुमान सिंह धपोला सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने जांची वेयर हाउस की सुरक्षा

बागेश्वर। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने मंगलवार को ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें डबल लॉक में सुरक्षित पाई गईं। कोंडे ने वेयरहाउस में स्थापित अग्निशमन यंत्रों एवं सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सहायक निर्वाचन अधिकारी को वेयरहाउस में इनवर्टर स्थापित कराने के निर्देश दिए। वेयरहाउस की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर भाजपा प्रतिनिधि मदन राम आगरी, कांग्रेस प्रतिनिधि कुंदन गिरी, अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, सहायक निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बस के नीचे आने से स्कूटी सवार महिला गंभीर घायल

विकासनगर। कोतवाली क्षेत्र के बाबूगढ़ चुंगी के पास मंगलवार दोपहर चालक की लापरवाही के चलते स्कूटी सवार महिला बस की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डाकपत्थर-देहरादून रूट की यात्री बस को चालक बैक कर रहा था। उसके पीछे स्कूटी सवार महिला थी, जिसे वह देख नहीं पाया। महिला को स्कूटी समेत बस के नीचे जाते देख आसपास खड़े लोग चिल्लाए, जिसके बाद चालक बस को रोका। हालांकि तब तक बाबूगढ़ निवासी महिला गंभीर तौर पर घायल हो गई थी। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बस के नीचे से निकालकर पास के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका अभी उपचार चल रहा है। उधर, शहर कोतवाल राजीव रौथाण ने बताया कि मामले में किसी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं आई है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सेवानिवृत रेल अधिकारी व महिला से 27 लाख की ठगी

काशीपुर। प्लॉट बेचने के नाम पर एक सेवानिवृत्त रेलवे अधिकारी और मुरादाबाद की एक महिला से करीब 27 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने कॉलोनाइजर्स के तीन प्रॉपराइटरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों पर पहले भी धोखाधड़ी के मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। पहले मामले में मुरादाबाद निवासी ज्योति भास्कर ने थाना कुंडा में तहरीर देकर बताया कि उन्होंने यूके कॉलोनाइजर्स के प्रॉपराइटर एहसान अली, शाकिर अली, निजामुद्दीन और बिचौलिए विनय के माध्यम से ग्राम शाहगंज, जसपुर में 15 लाख रुपये में एक कॉर्नर प्लॉट खरीदा था। आरोप है कि पूरी रकम अदा करने और दाखिल-खारिज होने के बाद जब उन्होंने जमीन की पैमाइश कराई, तो पता चला कि वह भूमि सरकारी चकरोड निकली। कॉलोनी में मंदिर, पार्क और बिजली

जैसी सुविधाओं का वादा भी झूठा साबित हुआ, क्योंकि कॉलोनी स्वीकृत नहीं थी। पीड़िता का आरोप है कि 7 मार्च 2026 को मौके पर जाने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। दूसरे मामले में मुरादाबाद निवासी उत्तर रेलवे के सेवानिवृत्त मंडल कार्मिक अधिकारी रामकैलाश ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2017 में इसी ग्रुप से 12 लाख रुपये में जमीन खरीदी थी।

नल पर बर्तन धो रही महिला की संदिग्ध मौत

काशीपुर। नल पर बर्तन धो रही एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला की करंट से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। मोहल्ला अल्ली खां के हजरतनगर निवासी 50 वर्षीय नसरीन पत्नी बाबू हुसैन बीते सोमवार की शाम खाना बनाने के बाद बर्तन धोने के लिए घर में लगे हैंडपंप पर गई। जहां अचानक वह गिर गई। परिजन व आसपास के लोग महिला को एलडी भट्ट उप जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने स्वास्थ्य परीक्षण करके महिला को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। परिजन व आसपास के लोग करंट से मौत होने की बात कह रहे हैं। मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतका के पति बाबू हुसैन ने बताया कि वह रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता है। बताया बीते सोमवार की देर शाम अचानक उसकी पत्नी जमीन पर गिर पड़ी और मौत हो गई। वह अपने पीछे तीन बेटे मुस्तफा (20), अनस (17) व नूर मोहम्मद (12) और बेटी शबेनूर (14) को रोता-बिलखता छोड़ गई। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

महिलाओं और बुजुर्गों के लिए 20 वाहन आरक्षित

रुद्रप्रयाग। केदारघाटी टैक्सी यूनियन सोनप्रयाग ने महिला और बुजुर्ग तीर्थयात्रियों की सुविधा को देखते हुए 20 शटल वाहनों को उनके के लिए आरक्षित किया है। दरअसल सोनप्रयाग में बेरिकेडिंग पार करते हुए शटल वाहन में पहले बैठने के लिए हर किसी को जल्दी रहती है। महिलाओं व बुजुर्ग व्यक्तियों को समय पर अनुकूल सीट नहीं मिल पाती है जिस कारण वे काफी देर बाद गारीकुंड ही पहुंच पाते हैं। इस समस्या को देखते हुए यूनियन ने ऐसे यात्रियों के लिए 20 वाहन आरक्षित किए हैं। यूनियन के अध्यक्ष अंकित गैरोला ने बताया कि यूनियन ने ऐसे यात्रियों के लिए 20 वाहन आरक्षित किए हैं। एआरटीओ प्रवर्तन धर्मेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

तलवाड़ी महाविद्यालय में प्रवेश शुरू

चमोली। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आलम सिंह फर्स्वाण राजकीय महाविद्यालय तलवाड़ी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्राचार्य सेराज मोहम्मद ने बताया कि विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 1 मई 2026 से शुरू हो गए हैं।स्नातक के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी समर्थ पोर्टल की वेबसाके माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण शुल्क 50 रुपये है। इंटरमीडिएट उत्तीर्ण अभ्यर्थी स्नातक पारंपरिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल से संबद्ध इन कक्षाओं में पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 मई है।

मिश्रवाणगांव-धनागांव सड़क का काम शुरू नहीं होने से ग्रामीण नाराज

उत्तरकाशी। प्रतापनगर ब्लॉक के ओण पट्टी में मिश्रवाण गांव-धनागांव के लिए स्वीकृत पांच किमी सड़क का कार्य पांच साल बाद भी शुरू नहीं हो पाया है जिससे ग्रामीणों में लोनिवि के प्रति कड़ा रोष बना हुआ है। पैदल नाप रहे ग्रामीणों ने कहा कि सड़क बनाने का कार्य जल्द शुरू नहीं किया तो क्षेत्र के लोगों को आंदोलन शुरू करने को मजबूर होना पड़ेगा। मिश्रवाण गांव-धनागांव के लिए लंबे संघर्ष के बाद 2020-21 में पांच किमी सड़क बनाने की स्वीकृति प्रदान की गई थी लेकिन लोनिवि अभी तक सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं कर पाया है। जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मी पंवार, क्षेत्र पंचायत सदस्य रंजना देवी, प्रधान आरती देवी और रमेश पंवार आदि ने कहा कि मिश्रवाण गांव, खेलगढ़ वल्ला, खोलगढ़ पल्ला और धनागांव के लोग लंबे समय से सड़क की राह ताक रहे हैं।

ट्रैप कैमरे में कैद हुई दुर्लभ हिमालयन वीजल की तस्वीरें

उत्तरकाशी। वन अनुसंधान रेंज की ओर से गंगोत्री नेशनल पार्क के तहत समुद्रतल से करीब 11 हजार मीटर की ऊंचाई पर पहली बार दुर्लभ हिमालयन वीजल की तस्वीरें ट्रैप कैमरे में कैद की गई है। विभागीय अधिकारियों के तहत हिमालयन वीजल पर की जा रही अध्ययन के तहत इसके गंगोत्री नेशनल पार्क सहित माणा और बदरीनाथ की पहाड़ियों में पाए जाने के निशान मिले थे। इसके सजीव गतिविधियों की तस्वीरें पहली बार कैमरे में देखने को मिली हैं। वन अनुसंधान रेंज उत्तरकाशी के वन दरोग सुमित बेलवाल ने बताया वन वर्धनिक विवेक तिवारी के निर्देश पर रेंज अधिकारी अमित कुमार की देखरेख में बीते सात मार्च को गंगोत्री नेशनल पार्क में ट्रैप कैमरे लगाए गए थे। इनका क्षेत्रीय सर्वेक्षण, कैमरा ट्रैप स्थापना, निगरानी और दस्तावेजीकरण रिसर्च एसोसिएट रितु बुधोड़ी और वन दरोगा सुमित बेलवाल ने किया।

पिछले दिनों इन कैमरों को निकालकर इनकी जांच की गई। तो बीते उन्नतीस मार्च को ट्रैप कैमरे में दुलर्भ हिमालयन वीजल की गतिविधियों की तस्वीरें रिकॉर्ड की गई हैं। रिसर्च एसोसिएट रितु बुधोड़ी ने बताया कि हिमालयन वीज़ल एक छोटा मांसाहारी स्तनधारी जीव है। इसे वैज्ञानिक भाषा में मुस्टेला सिबिरिका कहा जाता है।

पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाताः यह समुद्रतल से करीब पच्चीस सौ से चार हजार मीटर की ऊंचाई पर हिमालयी क्षेत्रों पाया जाता है।

खुशनुमा मौसम में पर्यटकों का उत्साह दोगुना

ऋषिकेश। मौसम में बदलाव की वजह से ऋषिकेश में मंगलवार को मौसम सुहावना हो गया है। स्थानीय लोगों के साथ ही देश-दुनिया से पहुंचे तीर्थाटकों और पर्यटकों को भी मौसम में ठंडक की वजह से गर्मी से राहत मिली। शाम के वक्त बाजार में भी चहल-पहल दिखी। अधिकतम तापमान 27 और न्यूनतम 17 डिग्री सेल्सियस पहुंचने के कारण लोगों को एक बार फिर सर्दी का अहसास भी होता दिखा। मंगलवार सुबह चटक खिली, तो लोगों को गर्मी महसूस होने शुरू हुई, मगर दोपहर 12 बजते ही मौसम ने एकाएक करवट बदली, जिसके बाद रिमझिम बारिश का दौर शुरू हुआ, जोकि घंटेभर तक चला। काले घने बादलों के बीच रिमझिम बारिश में तापमान तेजी से गिरा। बारिश थमने के बाद नगर और आसपास के पर्यटक स्थलों जानकी सेतु, रामझूला, बजरंग सुते के आसपास तथा आस्थापथ पर पर्यटकों की भीड़भाड़ दिखी। खुशनुमा मौसम का लुत्फ उठाते हुए पर्यटकों ने खूब मस्ती भी की।

जजरेड़ में मलबा आने से दो घंटे तक यातायात ठप रहा

विकासनगर। बारिश के बीच जौनसार-बावर की लाइफलाइन कहे जाने वाला चकराता-कालसी मोटर मार्ग जजरेड़ के पास मलबा आने से बंद हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। सूचना मिलने पर लोक निर्माण विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की सहायता से मलबा हटाने का काम शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद मार्ग को साफ कर यातायात सुचारु कराया गया। चकराता-कालसी मोटर मार्ग का जजरेड़ भू-स्खलन जोन स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। इसका उचित ट्रीटमेंट नहीं होने से पहाड़ी हल्की बारिश में भी दरकने लगती है, जिससे पूरे जौनसार बावर

परगने का जिला मुख्यालय से संपर्क कट जाता है। मंगलवार दोपहर भी यही हुआ। बारिश के दौरान जजरेड़ पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर आ गए, जिससे यातायात ठप हो गया। कई वाहन घंटों तक बारिश के बीच फंसे रहे। स्थानीय वाहन चालक दिनेश, रवि, शूरवीर नेगी, प्रकाश, विरेंद्र सिह, मोहित आनंद ने कहा कि वह सवारियों के साथ एक घंटे तक सड़क पर फंसे रहे। यात्री मोहन सिंह, सुरेंद्र राणा, महेंद्र शर्मा, लायक राम, इंद्र राणा आदि ने कहा कि यही मार्ग क्षेत्र को जिला मुख्यालय समेत अन्य इलाकों से जोड़ता है।

यमुनाघाटी के जंगलों में पहली बार ड्रोन से पहरेदारी

फायर सीजन में अपर यमुना वन प्रभाग ने की पहल

उत्तरकाशी। अपर यमुना वन प्रभाग के जंगलों में आग लगाने वाले अपराधियों पर अब ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी जाएगी। कैमरे लगने से चोरी छिपे जंगलों में आग लगाने वाले शरारती तत्व आसानी से पकड़ में आ सकेंगे। अपर यमुना वन प्रभाग में पहली बार यह पहल की शुरुआत की जा रही है। फायर सीजन में अपर यमुना वन प्रभाग की मुंगर सन्ती, कुथनौर और रवांई रेंज में सबसे ज्यादा आग की घटनाएं सामने आई है। आग की घटनाओं को रोकने के लिए विभाग ने तीनों रेंज के जंगलों में ड्रोन कैमरे उड़ाने की योजना तैयार की है जिससे आग की सही लोकेशन मिल सके। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देशः योजना के तहत अब जंगलों को किसी भी तरह का नुकसान पहुंचाने वाले अपराधी ड्रोन कैमरे की नजर से

नहीं बच पाएंगे। 15 फरवरी से 15 जून तक चलने वाले फायर सीजन में मई और जून में वनाग्नि की घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती है। वन विभाग वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए कई तरह के कार्यक्रम चला कर लोगों को जागरूक करने का प्रयास करता है लेकिन अपराधी फिर भी जंगलों में आग लगाने से बाज नहीं आते हैं। बीते दिनों यमुना घाटी में दो दिवसीय भ्रमण पर पहुंचे मुख्य वन संरक्षक डॉ. धीरज पांडेय ने ड्रोन कैमरे से वनाग्नि पर प्रभावी नियंत्रण और वनों में आग लगाने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए थे। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जंगलों में आग लगाने वाले व्यक्ति विभाग के कर्मचारियों के पहुंचने से पहले गायब हो जाते हैं। उप प्रभागीय वनाधिकारी अपर यमुना वन प्रभाग साधु लाल पलियाल का कहना है कि बड़कोट अपर यमुना वन प्रभाग में पहली बार वनाग्नि की घटनाओं पर ड्रोन कैमरे से नजर रखी जाएगी।

युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

उत्तरकाशी। पीजी कॉलेज में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को स्वरोजगार, स्टार्टअप एवं आत्मनिर्भरता से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। साथ ही युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय स्वयं रोजगार सृजक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. एके तिवारी ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के लिए उद्यमिता एक बेहतर विकल्प बनकर उभरी है। पहाड़ी क्षेत्रों में स्थानीय संसाधनों, कृषि, बागवानी, हस्तशिल्प, पर्यटन एवं स्वरोजगार आधारित गतिविधियों में अपार संभावनाएं हैं जिनका लाभ उठाकर युवा आत्मनिर्भर बन सकते हैं। देवभूमि उद्यमिता योजना की संदर्भदाता सपना नेगी ने छात्र-छात्राओं को उद्यमिता विकास, व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया, स्वरोजगार के अवसरों व सरकारी योजनाओं के माध्यम से मिलने वाले प्रशिक्षण एवं आर्थिक सहायता संबंधी जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने, डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने व छोटे स्तर से व्यवसाय शुरू कर उसे आगे बढ़ाने के विभिन्न तरीके भी बताए।

चन्दर नगर नाला भूमिगत होने से क्षेत्रवासियों को मिली राहत

देहरादून। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज व खजान दास ने चन्दर नगर नाला रोड पर पुल से त्यागी रोड तक भूमिगत नाले का लोकार्पण किया। मंगलवार को राजपुर रोड विधानसभा के वार्ड 20 में मुख्यमंत्री की घोषणा के अन्तर्गत 3.83 करोड़ की लागत से भूमिगत नाले का लोकार्पण किया गया। मंत्री खजानदास ने कहा कि क्षेत्र में 3.83 करोड़ की लागत के कार्य का लोकार्पण किया है। मंत्री खजान दास ने कहा कि क्षेत्रवासियों को नाले में पानी भरने व गन्दगी से बीमारियों व संक्रमण का खतरा बना रहता था, इससे अब उन्हें निजात मिलेगी। नाले के ऊपर आरसीसी बाक्स व सम्पर्क मार्ग का निर्माण होने से क्षेत्रवासियों को मोटर मार्ग के आवागमन की भी सुविधा मिली है, जो चन्दर नगर वासियों के लिए मील के पत्थर से कम नहीं होगा। उन्होंने कहा सरकार प्रदेश एवं क्षेत्र के विकास के लिए निरन्तर कार्य कर रही है।

सीएम पुष्कर धामी जनता के द्वार जनता की सरकार के संकल्प के रूप में जन कल्याणकारी योजनाएं बनाकर प्रदेश का चहुंमुखी विकास कर रहे हैं।इस मौके पर दायित्वधारी अशोक वर्मा, मधु भट्ट, पूर्व पार्षद देवेंद्रपाल मोंटी, जयपाल वाल्मीकि, मण्डल महामंत्री, राहुल पंवार, विमला थपलियाल आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

उत्तरकाशी। गंगोत्री-यमुनोत्री में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था में जुट गया है। गत दिवस बम निरोधक दस्ते ने गंगोत्री धाम में सघन चेकिंग अभियान चलाया।

इसमें धाम परिसर, स्नान घाट, पार्किंग स्थल, प्रतीक्षालय और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में गहन तलाशी ली गई। बीडीएस टीम ने मेटल डिटेक्टर और आधुनिक डिटेक्शन उपकरणों की सहायता से हर संभावित खतरे की जांच की, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की सुरक्षा चूक न हो। पूरे यात्रा मार्ग और प्रमुख पड़ावों पर सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से लगातार नजर रखी जा रही है। संदिग्ध और बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया जा रहा है।

98 लाख की स्वीकृति के बावजूद अधूरा है पार्क

ऋषिकेश। राजीव नगर केशवपुरी दशहरा ग्राउंड में करीब 98 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे पार्क का निर्माण कार्य एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अधूरा है। निर्माण की बेहद धीमी गति को लेकर क्षेत्रवासियों में गहरी नाराजगी देखने को मिल रही है। विदित हो कि इस पार्क के लिए धनराशि तत्कालीन शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के कार्यकाल में स्वीकृत की गई थी। करीब तीन महीने पूर्व उन्होंने स्वयं पार्क स्थल का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की धीमी रफ्तार और गुणवत्ता पर नाराजगी जताते हुए नगर पालिका अधिकारियों को जल्द निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार नजर नहीं आ रहा। राजीव नगर केशवपुरी के स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे इंतजार के बावजूद पार्क का सपना अब तक पूरा नहीं हो पाया, जिससे बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को भारी निराशा झेलनी पड़ रही है। पार्क निर्माण की देखरेख नगर

पालिका के अवर अभियंता अखिलेश खंडूरी द्वारा की जा रही है। कार्य की प्रगति पूछने पर हर बार नई तारीख बता दी जाती है। हाल ही में 30 अप्रैल तक निर्माण पूरा होने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन तय समय निकल जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

एक नजर

बाइक सवार पर मधुमक्खियों ने किया हमला, घायल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: दुगड्डा-धुमाकोट मोटर मार्ग से गुजर रहे बाइक सवारों पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। मधुमक्खियों से जैसे-तैसे जान बचाकर घायलों ने पीएचसी दुगड्डा पहुंचकर उपचार कराया।

मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे कुछ लोग बाइकों से सेंधीखाल से दुगड्डा आ रहे थे। मोड़ाखाल वन चौकी के पास से गुजरते समय अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने बाइक सवारों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों से घिरे एक ही परिवार के छह सदस्यों में चीख-पुकार मच गई। सभी मधुमक्खियों से बचाव के लिए छटपटाते हुए भागने लगे। वहीं, इस दौरान सड़क से आवागमन रुक गया। सभी बाइक सवार चीख-पुकार करते हुए एक-दूसरे की जान बचाने की कोशिश कर रहे थे। घटना में ग्राम पंचायत जोगयाणा के नवीन, अरविंद, प्रवीन, नवीन की पत्नी रूबी, उनका सात वर्षीय पुत्र ऋषभ और प्रवीन की पत्नी ज्योति घायल हुए। सभी घायल उपचार के लिए पीएचसी दुगड्डा पहुंचे। सभी को प्राथमिक उपचार दिया गया। चिकित्सक के अनुसार प्राथमिक उपचार के बाद सभी की हालत सामान्य थी। नवीन मधुमक्खियों के डंक से अधिक पीड़ित था।

शिविर में 73 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग व वीरा फाउंडेशन की तरफ से जागरूकता रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 73 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो.एके शर्मा ने किया। शिविर में आए शिक्षकों व छात्रों का रजिस्ट्रेशन करवाया गया, जिसमें परीक्षण उपरांत 73 लोगों को रक्तदान करने के लिए उपयुक्त पाया गया। इस मौके पर प्रति कुलपति प्रो. पीएस राणा, विनोद डोभाल, डा. सरवानन, डा. अभिषेक शर्मा, प्रणिता कंडवाल मौजूद रहे।

पौड़ी को विकास के नए आयामों से जोड़ना लक्ष्य : पोरी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बैठक में क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी लंबित घोषणाओं को 15 जून तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य पौड़ी को विकास के नए आयामों से जोड़ना है, ताकि स्थानीय स्तर पर ही सुविधाएं उपलब्ध हो सकें और पलायन पर भी रोक लगाई जा सके। प्रेसवार्ता में विधायक राजकुमार पोरी ने बताया कि इन घोषणाओं के तहत पौड़ी में पक्षी विहार, एनसीसी अकादमी सहित कई महत्वपूर्ण विकास योजनाएं शुरू की जाएंगी। इन परियोजनाओं से न केवल क्षेत्र का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा, बल्कि युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण के नए अवसर भी मिलेंगे।

रिश्ते के मामा पर लगाया चोरी का आरोप

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली श्रीनगर क्षेत्र में एक महिला ने अपने रिश्तेदार पर घर से सोने के आभूषण चोरी करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली निरीक्षक विनय कुमार ने बताया कि भक्तियाना स्थित शीतलामाता मंदिर मार्ग निवासी अनीता बहुगुणा ने तहरीर में बताया कि गत 23 जनवरी को वह पति के साथ देवप्रयाग गई थीं और उनका बेटा घर पर था। उसी रात करीब 8.30 बजे उनके रिश्ते के मामा मनोज चंदोला निवासी रावतगांव चंदोलाराई, पौड़ी गढ़वाल उनके घर रात्रि विश्राम के लिए आए थे। आरोप है कि रात में घर में रखे बेड के अंदर से सोने के आभूषण चोरी कर लिए गए। कहा कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच उपनिरीक्षक विजय शैलानी, चौकी प्रभारी कलियासौड़ को सौंपी गई है। आरोपी के खिलाफ साक्ष्य संकलन कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। (एजेंसी)

रोजगार महोत्सव में 38 अभ्यर्थी चयनित

श्रीनगर गढ़वाल : कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग की ओर से आईटीआई परिसर में रोजगार महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर 152 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। महोत्सव में पहुंची ऑटोमोबाइल व सर्विस सेक्टर से जुड़ी कंपनियों में रोजगार के लिए अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार दिया। सेवा योजना अधिकारी मुकेश पयाल ने बताया कि 8 कंपनियां महोत्सव में मौजूद रहीं जबकि 3 कंपनियों ने ऑनलाइन माध्यम से अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। उन्होंने कहा कि 152 अभ्यर्थियों में से 38 अभ्यर्थियों को अलग-लग कंपनियों की ओर से शॉर्ट लिस्ट किया गया है। इस मौके पर क्षेत्रीय सेवा योजन अधिकारी उत्तम कुमार, मेधा फाउंडेशन की ओर से मेघा व आईटीआई के कर्मचारियों ने योगदान दिया। (एजेंसी)

प्री-पीएचडी परीक्षा परिणाम घोषित

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय ने पहली बार समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्री-पीएचडी परिणाम सफलता पूर्वक घोषित किया। यह विश्वविद्यालय की डिजिटल प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्य में दिल्ली स्थित समर्थ पोर्टल टीम का विशेष सहयोग रहा। विशेष कार्य अधिकारी (परीक्षा) प्रो. आरएस फर्त्याल ने कहा कि समर्थ पोर्टल के माध्यम से परिणाम घोषित करना पारदर्शिता, समयबद्धता एवं दक्षता को सुनिश्चित करता है। इससे परीक्षा संबंधी प्रक्रियाएं अधिक सुव्यवस्थित होंगी तथा विद्यार्थियों को समय पर परिणाम उपलब्ध कराना संभव हो सकेगा। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गौतमवीर ने बताया कि विवि भविष्य में भी तकनीकी नवाचारों को अपनाते हुए परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ और पारदर्शिता बनाने पर विशेष ध्यान देगा। (एजेंसी)

जान जोखिम में डालकर करना पड़ रहा सफर

नई टिहरी। भंडारकी-विकोल सड़क की बदहाली ने थौलधार क्षेत्र के ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ल्वाडी-गैर के बीच कई स्थानों पर सड़क क्षतिग्रस्त होने से लोगों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। बीते छह माह से लोग वैकल्पिक कच्ची सड़क के सहारे आवागमन को मजबूर हैं, लेकिन अब तक स्थायी मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। भंडारकी-विकोल सड़क कस्तल, नौगांव, बनंस्यूल और मजकोट समेत कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। तहसील और ब्लॉक मुख्यालय तक पहुंचने के लिए ग्रामीण इसी मार्ग पर निर्भर हैं। बावजूद इसके सड़क की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार बीते सितंबर माह में हुई भारी बारिश के दौरान ल्वाडी-गैर के बीच सड़क कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई थी। मजकोट इंटर कॉलेज की सुरक्षा दीवार ढहने से करीब 300 मीटर सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो गई थी जबकि अन्य जगहों पर सड़क धंस गई थी। आपदा के बाद कार्यदायी संस्था ने अस्थायी राहत देते हुए दूसरी ओर से कच्ची सड़क बनाकर आवागमन शुरू तो कर दिया लेकिन इसके बाद स्थायी समाधान की दिशा में कोई काम नहीं हुआ।

सड़क पर खड़े भारी वाहन, भारी न पड़ जाएं सुबह की सैर

राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही अन्य मार्गो पर खड़े रहते हैं भारी वाहन, सुबह की सैर पर निकलने वालों को बना रहता है दुर्घना का खतरा

कोटद्वार के झंडाचौक में राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़ी बसें

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लगता है वाहन चालकों के लिए नियम कानून कोई मायने नहीं रखते। तभी तो जिसका जैस मन आया वह सड़क पर वाहनों को खड़ा कर चलता बन रहा है। सबसे अधिक अव्यवस्था रात के समय बनी रहती है। ऐसे में सुबह की सैर पर निकलने वालों को दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। घर से पार्क के लिए जाने वाले लोगों को बीच सड़क से होकर गुजरना पड़ता है। पूर्व में हुए हादसों के बाद भी सिस्टम लापरवाह बना हुआ है।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में सैर के लिए कोई चिह्नित स्थान नहीं है। ऐसे में शहरवासियों की मजबूरी है कि वह सड़क पर ही सुबह की सैर के लिए निकलते हैं। कई लोग सुबह-सुबह बच्चें को लेकर पार्क की ओर जाते हुए भी दिखाई देते हैं। लेकिन, सड़कों पर बनी अव्यवस्था इन लोगों के जीवन पर कब भारी पड़ जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। दरअरसल, कौड़िया से झंडाचौक, झंडाचौक से बुद्धा पार्क तक भारी वाहन सड़क पर खड़े रहते हैं। ऐसे में सैर पर जाने वालों को बीच राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर गुजरना पड़ता है। कुछ वर्ष पूर्व मैक्स वाहन ने सिद्धबली की ओर से आ रहे एक व्यक्ति को टक्कर मार दी थी। व्यक्ति को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में पहुंचाया गया। वहीं, पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग पर दौड़ रहे दो युवकों को भी मैक्स ने टक्कर मार दी थी। जिसमें घायल युवकों को हायर सेंटर रेफर किया गया था। इसी तरह की घटनाओं का प्रतिदिन अंदेशा बना रहता है।

लगातार उठती रहती है मांग

स्टेशन के बजाय राष्ट्रीय राजमार्ग पर बेतरतीब तरीके से खड़ी बसों को हटाने के लिए शहरवासी कई बार अधिकारियों को पत्र दे चुके हैं। लेकिन, जिम्मेदार सिस्टम मूकदर्शक बना हुआ है। स्थिति देखकर लगता है कि सिस्टम को किसी बड़े हादसें का इंतजार है। जबकि, कई स्थानों पर रात के समय यह वाहन नजर नहीं आते। जिससे दोपहिया वाहन चालक इससे टकरा जाते हैं। कुछ माह पूर्व देवी रोड में सड़क किनारे खड़ी एक बस से स्कूटी टकरा गई थी। जिसमें स्कूट चालक की मौत हो गई थी।

गढ़वाल रेजिमेंट ने 139वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : गढ़वाल रेजिमेंट ने अपना 139वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस मौके पर रेजिमेंट के कर्नल आफ दा रेजिमेंट ने रिटायर्ड सैनिकों, सेवारत सैनिकों और उनके परिवारजनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस मौके को यादगार बनाने के लिए सभी पदों के लिए एक ह्लबड़ा खानाह्न आयोजित किया गया, जिससे रेजिमेंट के अंदर भाईचारा बढ़ा और एकता एवं भाईचारे की भावना को मजबूत किया गया। 05 मई 1887 को अल्मोड़ा में लेफ्टिनेंट कर्नल ई.पी. मेनवरिंग द्वारा बनाई गई गढ़वाल राइफल्स पिछले 139 सालों में भारतीय सेना की सबसे सम्मानित पैदल सेना रेजिमेंट में से एक बन गई है। देश की सीमाओं की रक्षा करने से लेकर दुनिया भर में ऑपरेशन में हिस्सा लेने तक, रेजिमेंट ने हिम्मत और प्रोफेशनलिज्म का एक शानदार रिकॉर्ड बनाया है। दिन के इवेंट्स की शुरुआत रेजिमेंटल वॉर मेमोरियल पर माल्यार्पण सेरेमनी से हुई, जहां डिप्टी कमांडेंट, कर्नल कुलदीप सिरोही, सेना मेडल ने उन बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने ड्यूटी करते हुए अपनी कुर्बानी दी। ऑफिसर्स, जूनियर कमीशन्ड ऑफिसर्स और अन्य रैंक्स के लोग इस सेरेमनी में शामिल हुए, जिसमें उन शहीदों के लिए गहरा सम्मान दिखाया गया, जिनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी।

डाकघर का टोल फ्री नंबर बताकर लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : एक व्यक्ति को डाकघर से संबंधित जानकारी लेनी थी तो उसने डाकघर का टोल फ्री नंबर खोजना शुरु किया। टोल फ्री नंबर डाकघर का नहीं बल्कि साइबर ठग का निकला। साइबर ठग ने व्यक्ति से लाखों की ठगी कर दी। हालांकि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार क र लिया।

आठ मार्च को कोटद्वार निवासी लक्ष्मण सिंह की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। तहरीर में कहा गया कि उन्हें डाकघर से संबंधित किसी योजना के बारे में जानकारी जुटानी थी। इसके लिए उन्होंने गुगल पर डाकघर का टोल-फ्री नंबर सर्च करना शुरु किया। उन्हें एक नंबर मिला, जिस पर काल करने पर सामने वाले व्यक्ति ने स्वयं को डाकघर कस्टमर केयर का कर्मचारी बताया। जिसके बाद व्यक्ति ने उन्हें कई योजनाएं बताई और उनसे एक लाख रुपये की ठगी की। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ठाकुर ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों व सर्विलांस के माध्यम से विवेचना शुरु की गई। तमाम जांच पड़ताल के बाद पुलिस टीम ने झारखंड में जिला जामताड़ा के ग्राम करमाटांडा निवासी सिराज अंसारी को गिरफ्तार किया है। बताया कि सिराज साइबर ठगी के एक अन्य मामले में मंडलकारा, जामताड़ा-झारखंड की जेल में निरुद्ध था। बताया कि उसे न्यायालय से बी-वारंट प्राप्त कर कोटद्वार लाया गया।

वार्षिकोत्सव में दिखी सांस्कृतिक छटा

आयोजित महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हो गया है। इस दौरान वार्षिकोत्सव के प्रथम दिन सांस्कृति छटा देखने को मिली। विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह बना हुआ था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डीएस रावत ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अनुशासन, लगन व कठोर परिश्रम का संदेश दिया। कहा कि युवा ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। वार्षिकोत्सव के प्रथम दिन अंतर संकाय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के अंतर्गत कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं शिक्षा संकाय के छात्रों ने सुगम संगीत, समूह एवं एकल, एकांकी नाटक, कव्वाली, समूह नृत्य सहित लोक गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई। नाट्य मंचन के माध्यम से विद्यार्थियों ने भिक्षावृत्ति, किन्नर समस्या, लैंगिक भेदभाव तथा प्रकृति सरंक्षण जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दी गई। सुगम संगीत के अंतर्गत गजल, भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर प्रो. रमेश चौहान, प्रो. राखी डिमरी, प्रो. आशा देवी, प्रो. बीसी शाह, प्रो. प्रीति रानी, डा. अभिषेक गोयल, डा. प्रवीन जोशी, डा. सुशील चंद्र बहुगुणा मौजूद रहे।

फर्नीचर की दुकान में लगी आग, हादसा टला

मौके पर पहुंची पुलिस टीम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : फर्नीचर वर्कशॉप की दुकान में आग लग गई। पुलिस व स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

कोटद्वार गाड़ीघाट एसबीआई एटीएम के पास एक फर्नीचर वर्कशॉप की दुकानों में आग लग गई, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुई है।

दमकल व बाजार चौकी के चीता पुलिस द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद इस पर काबू पाया। दुकान स्वामी नसीम अहमद द्वारा बताया गया कि उनकी अलफिजा फर्नीचर वर्कशॉप के नाम से दुकान है, जिसमें शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लग गई थी। मौके पर फायर सर्विस व चीता पुलिस मौजूद होने से किसी जनहानि नहीं हुई है, बस खाली सुखे बुरादे में आग लगी है। जिसको मौके पर आकर फायर सर्विस द्वारा बुझा दिया गया है।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में द्वि-दिवसीय वार्षिकोत्सव समारोह का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार :राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के द्वि-दिवसीय वार्षिकोत्सव समारोह का शुभारंभ उल्लास एवं गरिमामय वातावरण में हुआ। कार्यक्रम का प्रथम दिवस विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सराबोर रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० डी० एस० नेगी ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने छात्र-छात्राओं को अनुशासन, लगन एवं कठोर परिश्रम का संदेश देते हुए कहा कि युवा ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

समारोह के प्रथम दिवस अंतर-संकाय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के अंतर्गत कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं शिक्षा संकाय के छात्र-छात्राओं द्वारा सुगम संगीत, समूह एवं एकल नृत्य, एकांकी नाटक, कव्वाली, समूह नृत्य तथा लोकगीतों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी गईं। छात्र-छात्राओं की रंगारंग प्रस्तुतियों ने उत्तराखण्ड की समृद्ध लोक-संस्कृति को जीवंत कर दिया। लोकगीतों ने समां बाँध दिया और दर्शकों से भरपूर सराहना प्राप्त की। नाट्य मंचन के माध्यम से विद्यार्थियों ने भिक्षावृत्ति, किन्नर समस्या, लैंगिक भेदभाव तथा प्रकृति संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं। वहीं सुगम संगीत के अंतर्गत ग़ज़ल, भजन आदि विधाओं में भी मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ जुनीश कुमार ने किया । वार्षिकोत्सव का समापन अगले दिन पुरस्कार वितरण एवं छात्र सम्मान समारोह के साथ किया जाएगा।

कार्यक्रम में प्रोफेसर रमेश चौहान, प्रोफेसर राखी डिमरी, प्रोफेसर आशा देवी, प्रोफेसर बी सी शाह, प्रोफेसर प्रीति रानी, डॉ अभिषेक गोयल, डॉ प्रवीन जोशी, छात्र संघ प्रभारी डॉ सुशील चंद्र बहुगुणा, अरबिन्द दुदपुड़ी, डॉ कपिल थपलियाल, सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण, छात्र-संघ पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति आयोग ने दिया परिवार को न्याय का आश्वासन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य ने रैतपुर पहुंचकर परिवार को न्याय दिलवाने का आश्वासन दिया। कहा कि अनुसूचित जाति आयोग पीड़ित परिवार के साथ खड़ा रहेगा। रैतपुर में परिवार से मुलाकात करते हुए राजेश सिंह राजा कोली ने घटना के बारे में पूरी जानकारी ली। कहा कि पुलिस ने एक दलित परिवार के बेटे का उत्पीड़न किया। बेटा इतना मजबूर हो गया कि उसने अपनी जिंदगी तक खत्म कर दी। कहा कि दलित परिवार के युवाओं का उत्पीड़न किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संबंधित मामले से जुड़े लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो इसके लिए वह पूरी गंभीरता से कार्य करेंगे। कहा कि इस संबंध में अनुसूचित जाति आयोग की सचिव कविता टम्टा की ओर से एसएसपी को पत्र भी भेजा गया है। पुलिस को मामले के निष्पक्ष जांच करवाने के निर्देश दिए गए हैं।

योगेश राणा प्रधानमंत्री व ध्रुव शर्मा बनें सेनापति

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में नवीन सत्र के लिए छात्र संसद का गठन किया गया। इस दौरान योगेश राणा को प्रधानमंत्री व ध्रुव शर्मा को सेनापति बनाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य कुलदीप नेगी की देखरेख में हुए चुनाव में प्रधानमंत्री पद के लिए योगेश राणा व अनामिका सकलानी ने आवेदन किया। चुनाव प्रक्रिया मतदान के आधार पर की गई, जिसमें विद्यालय के कक्षा छह से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं ने मतदान किया। चुनाव में योगेश राणा को 144 मत मिले, जबकि अनामिका को 120 मत मिले। सेनापति के पद पर ध्रुव शर्मा और आशुतोष रावत के मध्य मुकाबला हुआ। जिसमें 57 वोट प्राप्त कर ध्रुव शर्मा ने जीत हासिल की।

अदालती सूचना

राजवीर सिंह पुत्र दिलबाग सिंह नि0 ग्राम औरंगाबाद, उर्फ लालवाला, पर0 बढ़ापुर, तह0 नगीना, जिला बिजनौर

बनाम

दिनेश चन्द देवरानी, 2- सुरेन्द्र कुमार देवरानी पुत्रगण विद्यादत्त देवरानी नि0 ग्राम पट्टी लंगूर, तह0 कोटद्वार,

3- नूर अहमद पुत्र निजामुददीन नि0 मेन्डू, पटटी, साबिर अहमद पुत्र मूसा अहमद नि0 जवाहर राही, हकीकुददीन पुत्र निजामुददीन नि0 मेडगांव, बल्ला, कोटद्वार, देवेन्द्र सिंह रावत, दिनेश सिंह रावत, भजन सिंह रावत, राम सिंह रावत पुत्रगण माधव सिंह रावत नि0गण ग्राम काशीरामपुर, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल

आपके विरूद्ध उर्पयुक्त संस्थित वाद/प्रार्थनापत्र धारा-116 यू पी आर0 सी 2006 मौजा खोकरा, परगना बढ़ापुर, तह0 नगीना, जिला बिजनौर के लिये योजित किया गया है।

अतः आपको एतदद्वारा स्वयं उपस्थित होने अथवा प्लीडर द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 8-5-2026 वर्ष 2026 समय प्रातः 10 बजे इस-ाका उत्तर देने के लिये सम्मनित किये जाते है। जिसमें असफल होने पर वाद/प्रार्थनापत्र एक पक्षीय निस्तारित कर दिया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के अन्तर्गत आज दिनांक मास वर्ष 2026 को जारी किया गया।

दिनांक-

उपजिलाधिकारी
नगीना

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, केडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या	41-DRM-MB-26-27 Date: 30.04.2026
कार्य का नाम	Turnout renewal by T-28 machine and allied miscellaneous track works in the jurisdiction of Sr. DEN-IV/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	28.05.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	3,55,42,433.86
धरोहर राशि	7,10,900.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	14.05.2026

टेन्डर नं. Sr.DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक 04.05.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1485/26

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/ चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	43-DRM-MB-26-27 Date: 04.05.2026	44-DRM-MB-26-27 Date: 04.05.2026
कार्य का नाम	Desilting, cleaning of sump-well and development of tubewell in the section of Sr.DEN/IV/MB.	Provision RCC boundary wall in North and South colony at Hapur to check encroachment, unauthorized trespassing and entry stray animal.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	28.05.2026	28.05.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत	₹ 64,84,887.15	₹ 1,87,68,397.11
धरोहर राशि	₹ 1,29,700.00	₹ 3,75,400.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह	8 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	14.05.2026	14.05.2026

टेन्डर नं. Sr. DEN-IV/Publication/26-27 दिनांक: 04.05.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1495/2026

संपादकीय

बदले की प्रतिक्रिया चिंताजनक

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम आने के बाद राज्य में मारपीट की घटनाएं बेहद चिंताजनक है। यहां केंद्र सरकार को सुरक्षा बलों को वापस भेजने से पहले राज्य के हालातो को सामान्य करना चाहिए था और जिस प्रकार से टीएमसी के खिलाफ मारपीट की घटनाएं सामने आ रही है उन पर रोकथाम लगानी चाहिए थी। टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने भी उनके साथ अभद्रता एवं मारपीट करने की शिकायत की है जो लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। हालांकि ममता बनर्जी ने जब पहली बार पश्चिम बंगाल की कमान संभाली थी तो उसे वक्त भी भाजपा कार्यकर्ताओं एवं कुछ हिंदुओं के घरों पर तोड़फोड़ की घटनाएं हुई थी जिनकी वीडियो भी अब वायरल किया जा रहे हैं। सत्ता परिवर्तन में प्रतिक्रिया निश्चित तौर पर सामने आती हैं लेकिन यह राज्य सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि बदले की भावना से किया जाने वाला व्यवहार आने वाले समय में राज्य की सामाजिक एवं आर्थिक व्यवस्था के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। चुनाव संपन्न हो चुके हैं और अब जरूरत है राज्य को विकास की दिशा में ले जाते हुए पूर्ण तरीके से शांति व्यवस्था कायम रखना। राज्य के लोगों ने सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपना फैसला सुनाया है और टीएमसी को जनता के इस फैसले को शालीनता के साथ स्वीकार करना चाहिए लेकिन यह काफी अचंभित कर देने वाला है कि ममता बनर्जी इस्तीफा देने को तैयार नहीं है हालांकि उनका यह प्रयास संविधान के विपरीत ही है और इस दिशा में राज्यपाल फैसला देने के लिए स्वतंत्र है। ममता बनर्जी को चुनाव परिणाम आने के बाद ही इस्तीफा दे देना चाहिए था लेकिन उनका यह कृत्य राज्य में और अधिक तनाव पैदा करने वाला काम कर रहा है। पश्चिम बंगाल में धर्म और जातीय समीकरण सत्ता परिवर्तन का एक बड़ा कारण रहा है और केंद्र को इस बात के लिए तैयार रहना चाहिए था कि परिवर्तन की दशा में राज्य में हिंसा की घटनाएं सामने आ सकती है। लाखों की तादाद में लगाए गए अर्धसैनिक बलों को कुछ दिन और या फिर शपथ ग्रहण समारोह तक राज्य में ही तैनात रखना चाहिए था ताकि कोई भी पक्ष बदले की भावना जैसा काम ना कर सके। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी पहली बार सरकार बनाने जा रही है लिहाजा टीएमसी के लिए यह बड़ा झटका है और इससे उबरने में ममता बनर्जी व उनके कार्यकर्ताओं को एक लंबा समय लग सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह जनादेश को मानते हुए है हठधर्मिता पर उतर आए। टीएमसी को अपनी कमियों की समीक्षा करनी चाहिए कि आखिर वह क्या कारण रहे जिसमें प्रदेश की जनता ने पूर्ण बहुमत से भारतीय जनता पार्टी को चुना और उन्हें सौ सीटों से नीचे ही समेट कर सत्ता से बाहर कर दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं को भी संयम से काम लेना चाहिए और पूर्व में जो भी घटनाएं हुई हो उन्हें नजरअंदाज करते हुए राज्य के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। टीएमसी भले ही सत्ता से बाहर हो चुकी है लेकिन प्रदेश में उसका प्रभाव भविष्य में कमतर साबित होगा ऐसा समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। हिंसा किसी भी प्रकार से उचित नहीं है और हिंसा का जवाब अहिंसा से मिलेगा इसकी कल्पना करना बेमानी ही साबित होगा। भाजपा संगठन को अपने कार्यकर्ताओं से संयम और शांत रहने की अपील करनी चाहिए तो वही टीएमसी नेताओं को भी राज्य में शांति का माहौल बनाए रखने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। परिवर्तन जनता का फैसला है और इसे बेहद सहजता से स्वीकार करना ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत मानी जाएगी।

चिंतन-मनन

नफरत का बोझ

बहुत पुरानी कथा है। एक बार एक गुरु ने अपने सभी शिष्यों से अनुरोध किया कि वे कल प्रवचन में आते समय अपने साथ एक थैली में बड़े-बड़े आलू साथ लेकर आएं। उन आलुओं पर उस व्यक्ति का नाम लिखा होना चाहिए, जिससे वे नफरत करते हैं। जो शिष्य जितने व्यक्तियों से घृणा करता है, वह उतने आलू लेकर आए। अगले दिन सभी शिष्य आलू लेकर आए। किसी के पास चार आलू थे तो किसी के पास छह। गुरु ने कहा कि अगले सात दिनों तक ये आलू वे अपने साथ रखें। जहां भी जाएं, खाते-पीते, सोते-जागते, ये आलू सदैव साथ रहने चाहिए। शिष्यों को कुछ समझ में नहीं आया, लेकिन वे क्या करते, गुरु का आदेश था। दो-चार दिनों के बाद ही शिष्य आलुओं की बदबू से परेशान हो गए।

जैसे-तैसे उन्होंने सात दिन बिताए और गुरु के पास पहुंचे। सबने बताया कि वे उन सड़े आलुओं से परेशान हो गए हैं। गुरु ने कहा- यह सब मैंने आपको शिक्षा देने के लिए किया था। जब सात दिनों में आपको ये आलू बोझ लगने लगे, तब सोचिए कि आप जिन व्यक्तियों से नफरत करते हैं, उनका कितना बोझ आपके मन पर रहता होगा। यह नफरत आपके मन पर अनावश्यक बोझ डालती है, जिसके कारण आपके मन में भी बदबू भर जाती है, ठीक इन आलुओं की तरह। इसलिए अपने मन से गलत भावनाओं को निकाल दो, यदि किसी से प्यार नहीं कर सकते तो कम से कम नफरत तो मत करो। इससे आपका मन स्वच्छ और हल्का रहेगा। सभी शिष्यों ने वैसा ही किया।

क्या भारत दो-दलीय राजनीति की ओर बढ़ रहा है?

दिलीप कुमार पाठक

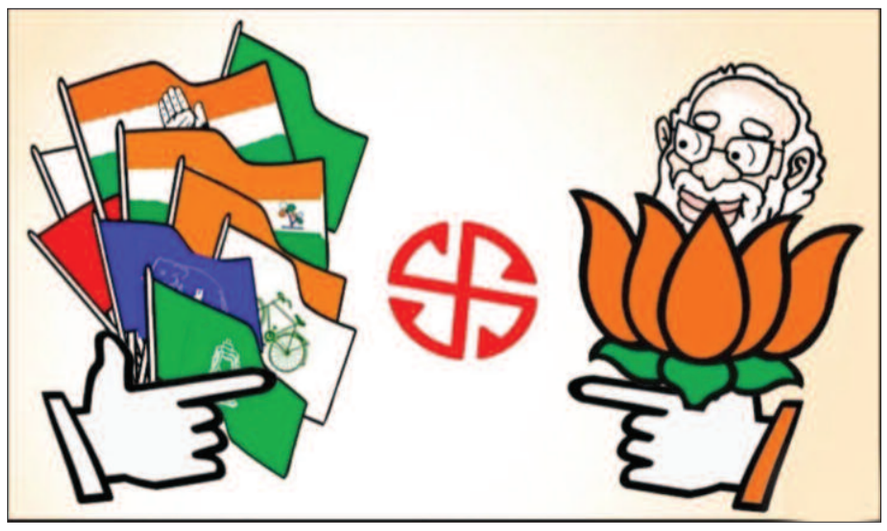

भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक ऐसी बात निकलकर आई है, जिसे समझना जरूरी हो गया है। कभी कांग्रेस मुक्त भारत का नारा लगाने वाली भाजपा का ये सियासी जुमला लगता था, लेकिन आज की हकीकत देखें तो यह क्षेत्रीय दल मुक्त भारत के एक बड़े प्लान की तरह नजर आता है। भाजपा की रणनीति अब स्पष्ट हो चली है, वह पहले बड़े प्यार से किसी क्षेत्रीय दल की 'बांह' पकड़ती है, उसके साथ मिलकर सरकार बनाती है, वहाँ का गुणा गणित समझती है, उसके घर के भीतर तक अपनी पैठ बनाती है और फिर धीरे से उसी साथी को किनारे लगाकर अपना झंडा गाड़ देती है।

नीतीश कुमार हों या उद्धव ठाकरे, नवीन पटनायक हों या बादल परिवार... इन सब की कहानियाँ एक ही पैटर्न पर लिखी गई हैं। बिहार को ही देख लीजिए, जहाँ नीतीश कुमार कभी बड़े भाई हुआ करते थे और भाजपा उनके पीछे चला करती थी। लेकिन आज पासा पूरी तरह पलट चुका है; भाजपा बिहार की सबसे बड़ी ताकत बन गई है और नीतीश अपनी साख बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। महाराष्ट्र में जिस शिवसेना ने भाजपा को उंगली पकड़कर हिंदुत्व का रास्ता दिखाया, आज वह खुद दो टुकड़ों में बंटकर अपनी पहचान की लड़ाई लड़ रही है। ओडिशा में नवीन बाबू का 24 साल पुराना अभेद्य किला जिस तरह ढहा, उसने सबको हैरान कर दिया। भाजपा ने वहां पहली बार अपनी सरकार बनाकर साबित कर दिया कि वह किसी की भी विरासत को समेटने का हुनर जानती है। अभी एक दशक पहले बंगाल में भाजपा का अस्तित्व भी न के बराबर था, लेकिन आज वहाँ प्रचंड बहुमत के साथ ही साथ सरकार बन गई है।

अब यह विस्तार की भूख पंजाब और दक्षिण के राज्यों की ओर मुड़ चुकी है। पंजाब में अकालियों से नाता टूटने के बाद भाजपा ने जो ताकत दिखाई है, वह आने वाले समय में केजरीवाल की आप के लिए बड़ी मुसीबत बन सकती है। दक्षिण भारत अब भाजपा के लिए एक ऐसी प्रयोगशाला बन गया है जहाँ वह नए-नए प्रयोग कर रही है। तमिलनाडु की राजनीति में दशकों से दो ही नाम चलते थे–डीएमके और एआईएडीएमके लेकिन भाजपा ने एआईडीएमके के कमजोर पड़ते ही वहां अपने पैर जमाने शुरू कर दिए हैं। केरल में जहाँ कांग्रेस और वामपंथियों के अलावा किसी तीसरे की जगह नहीं थी, वहाँ भाजपा ने त्रिशूर की सीट जीतकर और अपना वोट शेयर बढ़ाकर सबको चौंका दिया है। कांग्रेस वहां आज भले ही जीत गई हो, लेकिन उसे भी पता है कि भाजपा की नजरें अब उसकी कुर्सी पर हैं। बंगाल जीतने के बाद पार्टी मुख्यालय के संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का विरोध करना अखिलेश यादव को बहुत भारी पड़ेगा, मतलब साफ है अगला नंबर उत्तरप्रदेश का है। भाजपा जिस आत्मविश्वास के साथ अखिलेश यादव को टार्गेट कर रही है, और जैसे परिणाम आ रहे हैं तो लगता है कि भाजपा यूपी को जीतकर समाजवादी पार्टी को भी नफासत के साथ निपटा देगी।

भाजपा अब उन मुद्दों को पीछे धकेल रही है जिन मुद्दों के सहारे क्षेत्रीय दलों की रणनीतिक अस्तित्व टिका हुआ है। वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस का अपना अलग ही तर्क है। कांग्रेस के कई नेताओं का मानना है कि क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा की इस आक्रामक विचारधारा का मुकाबला नहीं कर सकतीं। वे कहते हैं कि अंत में मुकाबला बड़ा होगा और देश फिर से कांग्रेस बनाम भाजपा वाले दौर में लौटेगा। यानी कांग्रेस भी चाहती है कि क्षेत्रीय दल कमजोर हों ताकि वह मुख्य विपक्षी दल बन सके। थलापति विजय जैसे नए चेहरे तमिलनाडु में उम्मीद तो जगाते हैं, लेकिन इसके बाद वहाँ भाजपा जिस स्टाइल में काम कर रही है, उसमें किसी तीसरे के लिए रास्ता बनाना आसान नहीं होगा।

सवाल यह है कि क्या यह सब लोकतंत्र के लिए सही है? भारत एक ऐसा देश है जहाँ हर कुछ कोस पर भाषा और संस्कृति बदल जाती है। क्षेत्रीय दल इन्हीं स्थानीय भावनाओं की आवाज होते हैं। अगर ये दल खत्म हो गए, तो क्या स्थानीय मुद्दे दिल्ली के शोर में दब जाएंगे? भाजपा अब किसी राज्य में दूसरे या तीसरे नंबर पर रहने से संतुष्ट नहीं होती। वह जहां कदम रखती है, पूरा मैदान अपना करने की कोशिश करती है। आने वाले समय में अगर ये क्षेत्रीय क्षत्रप नहीं संभले, तो देश में सिर्फ दो बड़े ध्रुव ही बचेंगे? ये तो समय बताएगा, हालांकि अब यह जनता को तय करना है कि क्या उन्हें वह एक छत्र राज मंजूर है या वे अपनी स्थानीय पहचान और आवाज को बचाए रखना चाहते हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

किराये की संतान नहीं, अपनत्व का पुनर्जागरण चाहिए

ललित गर्ग

जीवन की सांझ जब अपने पूरे विस्तार के साथ उतरती है, तब मनुष्य को सबसे अधिक आवश्यकता दवाइयों या धन की नहीं, बल्कि अपनों के सान्निध्य और अपनों की होती है। यह वही समय होता है जब व्यक्ति अपने जीवन की संचित स्मृतियों, अनुभवों और भावनाओं को साझा करना चाहता है। लेकिन आज का कठोर यथार्थ यह है कि अनेक बुजुर्ग अपने ही घरों में अजनबी-से होकर रह गए हैं। विशाल मकानों में गूंजती खामोशी, सूने आंगन, और दरवाजे पर टकटकी लगाए प्रतीक्षा करती आंखें-यह सब मिलकर एक ऐसी त्रासदी रचते हैं, जो केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक विघटन का संकेत है। आज वैश्वीकरण, रोजगार की अनिवार्यता और बेहतर भविष्य की तलाश ने नई पीढ़ी को देश-विदेश के कोनों में बिखेर दिया है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन इस प्रक्रिया में जो सबसे बड़ी कीमत चुकाई जा रही है, वह है पारिवारिक संवेदना का क्षरण। अनेक बच्चे विदेश जाकर वहीं बस जाते हैं, अपने जीवन में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि माता-पिता केवल फोन कॉल और औपचारिक संदेशों तक सीमित रह जाते हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो एक ही शहर में रहते हुए वर्षों तक माता-पिता की सुध नहीं लेते। यह केवल दूरी की समस्या नहीं, बल्कि भावनात्मक दूरी का संकट है।

इसी संवेदनहीनता के वातावरण में एक नया और विचलित करने वाला प्रचलन उभरा है-'किराये की संतान'। कुछ कंपनियां और संस्थान अब ऐसे युवाओं या बच्चों को उपलब्ध करा रहे हैं, जो बुजुर्गों के साथ समय बिताते हैं, उनसे बातें करते हैं, उनके साथ सैर करते हैं, खेलते हैं और उनके अकेलेपन को कुछ हद तक कम करने का प्रयास करते हैं। पहली दृष्टि में यह व्यवस्था राहत देती प्रतीत होती है, लेकिन गहराई से देखने पर यह हमारे सामाजिक ढांचे की विफलता का प्रमाण बन जाती है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है-क्या अब ममता और अपनत्व भी अनुबंधों और पैकेजों में बांटे जाएंगे? क्या संबंधों की गरमाहट अब सेवा-शुल्क के साथ उपलब्ध होगी? यह स्थिति केवल विडंबना नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक चेतावनी है कि हम अपने मूल्यों से कितनी दूर चले आए हैं। किराये की संतान सुलभ कराने की परम्परा आधुनिक समाज-संरचना की एक बड़ी विडम्बना एवं त्रासदी है।

हालांकि यह भी सत्य है कि हर परिवार की परिस्थितियां समान नहीं होतीं। कई बार बच्चों के सामने ऐसी मजबूरियां होती हैं, जिनके कारण वे माता-पिता के साथ नहीं रह पाते। वहीं कुछ बुजुर्ग भी अपने स्वभाव या सोच के कारण नई पीढ़ी के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पाते। लेकिन इन अपवादों के बावजूद, व्यापक स्तर पर जो प्रवृत्ति उभर रही है, वह आत्मकेंद्रित जीवनशैली और संवेदनाओं के ह्रास की ही परिणति है। और भी चिंताजनक तथ्य यह है कि यह सुविधा केवल उन बुजुर्गों के लिए सुलभ है, जिनके पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन हैं। मध्यमवर्गीय या निम्नवर्गीय बुजुर्ग, जिनकी आय के स्रोत सीमित हो चुके हैं, वे इस प्रकार की सेवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते। निजी क्षेत्र से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की स्थिति और भी दयनीय हो जाती है, जहां पेंशन नगण्य होती है और चिकित्सा खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं। ऐसे में उनका जीवन आर्थिक असुरक्षा और मानसिक अवसाद के बीच झूलता रहता है।

निश्चिततौर पर आज का समाज तीव्र गति से बाजारवाद और भौतिकवाद की ओर बढ़ रहा है, जहाँ संबंधों की ऊष्मा और भावनाओं की गहराई धीरे-धीरे क्षीण होती जा रही है। जीवन की प्राथमिकताएँ अब मानवीय मूल्यों से हटकर उपभोग, प्रतिस्पर्धा और आर्थिक सफलता तक सीमित हो गई हैं। परिणामस्वरूप रिश्ते भी उपयोगिता और स्वार्थ के आधार पर आँके जाने लगे हैं। परिवार, जो कभी संवेदना, सहारा और संस्कार का केंद्र हुआ करता था, अब व्यस्तताओं और महत्वाकांक्षाओं के दबाव में बिखरता नजर आ रहा है। इस बदलते परिवेश में बुजुर्ग पीढ़ी सबसे अधिक उपेक्षित हो रही है, क्योंकि वे न तो बाजार की दौड़ में शामिल हो सकते हैं और न ही नई पीढ़ी की भौतिक अपेक्षाओं को पूरा कर पाते हैं। उनके अनुभव, त्याग और स्नेह को अब बोझ या बाधा के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के टूटने और एकल परिवारों के बढ़ने से उनकी सामाजिक और भावनात्मक सुरक्षा भी कमजोर हुई है। डिजिटल दुनिया ने संवाद को और अधिक सतही बना दिया है, जिससे आत्मीयता का स्थान औपचारिकता ने ले लिया है। ऐसे में बुजुर्गों का अकेलापन, असुरक्षा और उपेक्षा बढ़ती जा रही है, जो हमारे समाज के नैतिक पतन का संकेत है।

विकसित देशों में बुजुर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा की मजबूत व्यवस्थाएं हैं। वहां सरकारें उनकी स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन और देखभाल की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके विपरीत भारत में, जहां परिवार को ही सबसे बड़ी सुरक्षा माना गया था, आज वही ढांचा कमजोर पड़ता जा रहा है। सरकारें कर तो वसूलती हैं, लेकिन बुजुर्गों के लिए समुचित कल्याणकारी योजनाओं का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है। ऐसी परिस्थितियों में समाधान केवल भावनात्मक अपील तक सीमित नहीं रह सकता। इसके लिए बहुआयामी और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सबसे पहले हमें पारिवारिक मूल्यों के पुनर्जागरण की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। बच्चों में बचपन से ही माता-पिता के प्रति कर्तव्यबोध, सम्मान और संवेदना का संस्कार विकसित करना होगा। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम न होकर, जीवन मूल्यों का संवाहक बनेकृयह सुनिश्चित करना समय की मांग है।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-वृद्धाश्रमों और अनाथालयों का एकीकरण। यह विचार केवल कल्पना नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यावहारिक और मानवीय समाधान हो सकता है। यदि एक ही परिसर में बुजुर्गों और अनाथ बच्चों को साथ रखा जाए, तो दोनों की समस्याओं का समाधान संभव है। बच्चों को जहां स्नेह और मार्गदर्शन मिलेगा, वहीं बुजुर्गों को अपनत्व और बच्चों के साथ का अनुभव होगा। यह संबंध कृत्रिम नहीं, बल्कि स्वाभाविक और आत्मीय होगा। सरकार को इस दिशा में नीतिगत पहल करनी चाहिए। सुविधा-संपन्न, गरिमामय और मानवीय वृद्धाश्रमों का निर्माण, जहां केवल देखभाल ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी समावेश हो, यह अत्यंत आवश्यक है। साथ ही निजी संस्थाओं को भी इस क्षेत्र में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन यह सुनिश्चित करते हुए कि सेवाएं केवल व्यवसाय न बन जाएं, बल्कि सेवा का भाव प्रमुख रहे। बुजुर्गों को भी इस सच्चाई को स्वीकार करना होगा कि जीवन का यह चरण आत्मनिर्भरता और आत्मबल की मांग करता है। योग, ध्यान, प्राणायाम, सत्संग और सामाजिक सहभागिता उनके जीवन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। डिजिटल साक्षरता भी उन्हें अपने बच्चों और समाज से जुड़े रहने में सहायक हो सकती है।

साररूप में यह समझना होगा कि समाज केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि संवेदनाओं की समृद्धि से विकसित होता है। यदि हम अपने बुजुर्गों को सम्मान, स्नेह और सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं, तो हमारी सारी उपलब्धियां अधूरी हैं। 'किराये की संतान' का प्रचलन हमें यह सोचने पर विवश करता है कि कहीं हम संबंधों को भी वस्तु तो नहीं बना रहे, भौतिकता की तराजू में तो नहीं तौल रहे हैं। यह समय है आत्ममंथन का अपने भीतर झांकने का और यह तय करने का कि हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं। यदि हम सच में एक स्वस्थ, संवेदनशील और संतुलित समाज की कल्पना करते हैं, तो हमें अपनत्व के उस दीप को पुनः प्रज्वलित करना होगा, जिसकी रोशनी में हर बुजुर्ग अपने जीवन की सांझ को गरिमा और सुकून के साथ जी सके।

उद्योग जगत की खुशी बंगाल के फिर से निवेश और नौकरियों का केंद्र बनने का संकेत है

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों का असर बाजार में भी तुरंत दिखाई दिया। सेंसेक्स में अच्छी बढ़त दर्ज की गई और कोलकाता की कई कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक स्थिर और स्पष्ट नीतियों को प्राथमिकता देते हैं।

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम केवल राजनीतिक बदलाव ही नहीं लाये बल्कि राज्य के आर्थिक भविष्य को लेकर नई उम्मीदें भी जगाई हैं। उद्योगपति हर्ष गोयनका की प्रतिक्रिया ने इस चर्चा को और गति दी है। उन्होंने कहा है कि बंगाल का व्यापारिक वर्ग इस परिणाम से खुश है और अब विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर सामने आ सकते हैं। हम आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी की यह जीत ऐतिहासिक मानी जा रही है, क्योंकि पहली बार उसने पश्चिम बंगाल में सरकार बनाई है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के पंद्रह साल के शासन का अंत हुआ है। इस बदलाव से केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय की उम्मीद की जा रही है, जो विकास परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों का असर बाजार में भी तुरंत दिखाई दिया। सेंसेक्स में अच्छी बढ़त दर्ज की गई और कोलकाता की कई कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक स्थिर और स्पष्ट नीतियों को प्राथमिकता देते हैं। जब राज्य और केंद्र की सरकारें एक दिशा में काम करती हैं, तो निवेश का माहौल बेहतर बनता है। हालांकि, कुछ विश्लेषकों का कहना है कि बाजार की यह तेजी शुरूआती प्रतिक्रिया हो सकती है। दीर्घकाल में आर्थिक स्थिति कई अन्य कारकों पर निर्भर करेगी, जैसे वैश्विक बाजार और कच्चे तेल की कीमतें।

उद्योग जगत को उम्मीद है कि अब बड़े आधारभूत ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा। निवेश की मंजूरी की प्रक्रिया आसान हो सकती है और नियमों में स्पष्टता आएगी। इससे निजी और सरकारी दोनों तरह के निवेश को प्रोत्साहन मिल सकता है। इसके साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं का विस्तार भी राज्य में तेजी से हो सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आय और मांग बढ़ने की संभावना है। कई उद्योग संगठनों ने भी इस परिणाम का स्वागत करते हुए निवेश के माहौल में सुधार की उम्मीद जताई है।

अगर विभिन्न क्षेत्रों की बात करें, तो आधारभूत ढांचा और निर्माण क्षेत्र को सबसे ज्यादा लाभ मिलने की संभावना है। सड़क, बंदरगाह और औद्योगिक परियोजनाओं को गति मिल सकती है। अचल संपत्ति क्षेत्र में भी सुधार की उम्मीद है। चाय, कृषि और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में नई योजनाएं विकास को बढ़ावा दे सकती हैं। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में कर्ज वितरण बढ़ सकता है, खासकर छोटे उद्योगों और आवास क्षेत्र में।

इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी सामने हैं। राज्य की वित्तीय स्थिति पहले से दबाव में है। वित्तीय घाटा और कर्ज का स्तर ऊंचा बना हुआ है। ऐसे में नई सरकार के लिए अपने वादों को संतुलित तरीके से लागू करना जरूरी होगा, ताकि आर्थिक स्थिरता बनी रहे।

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल राजनीतिक बदलाव पर्याप्त नहीं है। नीतियों का सही क्रियान्वयन और वित्तीय अनुशासन ही लंबे समय में वास्तविक परिणाम तय करेंगे। वैसे आम लोगों के लिए इस बदलाव का अर्थ है संभावित रूप से अधिक रोजगार के अवसर और बेहतर आर्थिक गतिविधियां। अगर निवेश बढ़ता है और उद्योग विकसित होते हैं, तो राज्य की अर्थव्यवस्था में सुधार हो सकता है। इससे जीवन स्तर और बाजार की स्थिति पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

हालांकि, आंकड़े बताते हैं कि पश्चिम बंगाल अभी भी निवेश के मामले में अन्य राज्यों से पीछे है। विदेशी निवेश कम रहा है और विनिर्माण क्षेत्र की गति भी धीमी रही है। राज्य की अर्थव्यवस्था में सेवाओं का योगदान अधिक है, जबकि औद्योगिक विकास को और मजबूत करने की जरूरत है। व्यापार करने की सुविधा से जुड़े पहलू भी महत्वपूर्ण हैं। जमीन की उपलब्धता, मंजूरी की प्रक्रिया और नियमों की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर सुधार जरूरी है।

हम आपको याद दिला दें कि पश्चिम बंगाल का औद्योगिक इतिहास कभी उसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता था। एक समय ऐसा था जब यह राज्य अपने कारखानों और उद्योगों के कारण पूरे देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में पहचान रखता था। दूसरे राज्यों से लोग यहां रोजगार की तलाश में आते थे। लेकिन समय के साथ स्थिति बदलती चली गई। पहले वामपंथी सरकारों की नीतियों के कारण उद्योगों पर दबाव बढ़ा और धीरे धीरे कई कारखाने बंद होने लगे। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस के शासन में भ्रष्टाचार और नीतिगत अनिश्चितता को लेकर भी सवाल उठते रहे, जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ। ममता बनर्जी के आंदोलन के चलते सिंगूर में टाटा नैनो परियोजना के बंद होने की घटना के बाद बंगाल में बड़े उद्योग लगाने को लेकर निवेशकों में एक तरह की हिचक पैदा हो गई। परिणाम यह हुआ कि रोजगार के अवसर घटे और लोगों का पलायन बढ़ने लगा। हालांकि अब जब भाजपा की सरकार बनी है, तो उद्योग जगत में एक बार फिर सकारात्मक संकेत दिखाई दे रहे हैं। कई उद्योग संगठनों का कहना है कि वह आने वाले समय में सरकार को नई परियोजनाओं की रूपरेखा सौंपने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को फिर से गति मिल सकती है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल एक नए अवसर के दौर में प्रवेश कर रहा है। अगर नई सरकार योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करती है और निवेश के अनुकूल माहौल बनाती है, तो राज्य के आर्थिक विकास को नई दिशा मिल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज जलडमरूमध्य में दोहरे हमले से बढ़ा तनाव, कुछ घंटों में दो जहाजों को बनाया गया निशाना

दुबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया के संवेदनशील समुद्री मार्ग होर्मज जलडमरूमध्य में एक बार फिर सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कुछ ही घंटों के अंतराल में दो जहाजों पर हमले की घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने सोमवार को बताया कि रविवार देर रात करीब 11:40 बजे संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा तट के पास एक तेल टैंकर को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से निशाना बनाया गया। एजेंसी के अनुसार, हमले में जहाज के सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और किसी तरह का पर्यावरणीय नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि, हमले के पीछे किसका हाथ है, इसे लेकर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले रविवार को ही इसी जलडमरूमध्य में एक अन्य जहाज पर भी हमला किया गया था। लगातार हो रही इन घटनाओं ने क्षेत्र में अस्थिरता को और बढ़ा दिया है, खासकर ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच विशेषज्ञों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा कच्चा तेल गुजरता है। ऐसे में यहां किसी भी तरह की सुरक्षा चूक या हमला वैश्विक बाजारों और समुद्री व्यापार पर व्यापक असर डाल सकता है।

अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप पर हंटावायरस फैलने की आशंका, तीन यात्रियों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अटलांटिक महासागर में एक क्रूज शिप पर हंतावायरस फैलने का संदिग्ध मामला सामने आया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रविवार को बताया कि इस बीमारी से अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है और तीन अन्य लोग बीमार हैं। जांच में अब तक हंतावायरस के एक मामले की पुष्टि हुई है। एक मरीज का दक्षिण अफ्रीका के अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर है। स्वास्थ्य एजेंसी अधिकारियों के साथ मिलकर जहाज से दो अन्य बीमार यात्रियों को निकालने की कोशिश कर रही है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, हंतावायरस संक्रमण आमतौर पर संक्रमित चूहों के मल या मूत्र के संपर्क में आने से फैलता है। डब्ल्यूएचओ ने आधिकारिक तौर पर जहाज के नाम का खुलासा नहीं किया है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीकी मीडिया के अनुसार यह घटना 'एमवी होंडियस' नामक जहाज पर हुई। यह क्रूज शिप अर्जेंटीना से केप वर्डे की ओर जा रहा था। जानकारी के अनुसार, यह नीदरलैंड के झंडे वाला एक यात्री जहाज है। रविवार रात को यह केप वर्डे की राजधानी प्रिया के बंदरगाह पर खड़ा था।

मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान 2 अमेरिकी सैनिक लापता, तलाश के लिए जमीन से आसमान तक रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू

मोरक्को, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीका के देश मोरक्को से एक बड़ी और चिंताजनक खबर सामने आ रही है। अमेरिकी सेना ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि मोरक्को में चल रहे एक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास के दौरान उसके दो सैनिक लापता हो गए हैं। इस घटना के बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है और लापता सैनिकों की सुरक्षित वापसी के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अमेरिकी अफ्रीका कमांड द्वारा रविवार (3 मई 2026) को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों सैनिक शनिवार को लापता हुए थे। यह घटना दक्षिण-पश्चिमी मोरक्को के तान तान शहर के पास स्थित कैप द्रा ट्रेनिंग एरिया के करीब हुई। हालांकि, अभी तक लापता हुए सैनिकों की पहचान और उनके लापता होने के सटीक कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। सेना ने स्पष्ट किया है कि घटना की जांच की जा रही है। लापता सैनिकों को खोजने के लिए अमेरिकी सेना, मोरक्को के सुरक्षा बलों और अभ्यास में शामिल अन्य सहयोगी देशों ने मिलकर एक संयुक्त खोज और बचाव अभियान शुरू किया है। अमेरिकी सैन्य कमान के मुताबिक, इस ऑपरेशन में जमीन, वायु और समुद्री सैन्य संपत्तियों का उपयोग किया जा रहा है। विशेषज्ञ टीमों के साथ-साथ हेलीकॉप्टर और निगरानी विमानों को भी तलाशी अभियान में तैनात किया गया है ताकि उस दुर्गम इलाके के हर कोने को खंगाला जा सके। 'अफ्रीकन लायन' अमेरिकी सेना द्वारा अफ्रीकी महाद्वीप पर आयोजित किया जाने वाला सबसे बड़ा वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास है। इस साल भी हजारों की संख्या में सैनिक अपनी युद्ध क्षमता और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए इस अभ्यास में शामिल हुए हैं। इस बड़े पैमाने के अभ्यास का मुख्य उद्देश्य भाग लेने वाले देशों के बीच इंटरोपरेबिलिटी को मजबूत करना है। इसके माध्यम से विभिन्न देशों की सेनाएं एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना सीखती हैं ताकि अफ्रीका और दुनिया के अन्य हिस्सों में आने वाले संकटों या किसी भी आपात स्थिति के प्रति तत्परता और तैयारी को बेहतर बनाया जा सके।

तेहरान के 14-सूत्रीय प्रस्ताव पर आया यूएस का जवाब, ईरान कर रहा अमेरिकी प्रतिक्रिया की समीक्षा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुई जंग फिलहाल युद्धविराम की छांव में है। पर्दे के पीछे से अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत के प्रयास किए जा रहे हैं। इस बीच ईरान ने अपने 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव पर अमेरिका से मिले जवाब की समीक्षा शुरू कर दी है। तेहरान का कहना है कि यह योजना केवल युद्ध खत्म करने के लिए है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने रविवार को बताया कि तेहरान को अपने प्रस्ताव पर वॉशिंगटन का जवाब मिल गया है। यह संदेश पाकिस्तान के माध्यम से ईरान तक पहुंचा है। बघाई ने कहा कि ईरान इस समय अमेरिकी नजरिए की समीक्षा कर रहा है। पूरी प्रक्रिया खत्म होने के बाद ईरान अपनी प्रतिक्रिया देगा। बघाई ने जोर देकर कहा कि ईरान का '14 सूत्रीय प्रस्ताव' केवल क्षेत्र में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए है। इसमें परमाणु मुद्दे से जुड़ी कोई बात शामिल नहीं है। उन्होंने बताया कि इस समय उनका पूरा ध्यान लेबनान सहित पूरे क्षेत्र में लड़ाई रोकने पर है। उन्होंने उन खबरों को भी गलत बताया जिनमें कहा गया था कि प्रस्ताव में होर्मुज जलडमरूमध्य से बारूदी सुरंगें हटाने की बात है। ईरान ने किसी भी दबाव या समय सीमा के तहत बातचीत करने से साफ इनकार कर दिया है। तेहरान चाहता है कि सभी मुद्दों का समाधान 30 दिनों के भीतर हो, जबकि अमेरिका ने दो महीने के संघर्षविराम का सुझाव दिया था। ईरान की मुख्य मांगों में उसकी जमी हुई संपत्ति को मुक्त करना, प्रतिबंध हटाना और क्षेत्र से अमेरिकी सेना की वापसी शामिल है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि अब गेंद अमेरिका के पाले में है। उसे कूटनीति या टकराव में से एक रास्ता चुनना होगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इस योजना की समीक्षा करेंगे, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि यह स्वीकार करने लायक होगी। ट्रंप ने चेतावनी दी कि सैन्य विकल्प अभी भी खुले हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ऐसी चीजें मांग रहा है जिन्हें वह मान नहीं सकते। सीजफायर के बाद भी सुलह दूर, ईरान के 14-पॉइंट प्लान पर अमेरिका का जवाब ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते के सीजफायर के बाद सुलह को लेकर अब तक कोई बात नहीं बन पाई है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के लिए ईरान के 14-पॉइंट वाले प्रस्तावित प्लान पर जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सरकारी आईआरआईबी टीवी को दिए एक इंटरव्यू में इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अमेरिकी की तरफ से दिए गए जवाब की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का प्लान सिर्फ युद्ध खत्म करने पर फोकस है और इसमें न्यूक्लियर फील्ड की डिटेल्स से जुड़ी कोई बात नहीं है। बघाई ने आगे कहा कि अभी, हम लेबनान समेत इस इलाके में युद्ध खत्म करने से जुड़े पैरामीटर्स पर फोकस कर रहे हैं। इस स्टेज पर न्यूक्लियर को लेकर हमारी कोई बातचीत नहीं है। जबकि, अमेरिका का मुख्य मुद्दा ही न्यूक्लियर है। ईरान ने बार-बार इस बात से इनकार किया है कि वह न्यूक्लियर बम बनाने की कोशिश कर रहा है। ईरान का कहना है कि उसका प्रोग्राम सिर्फ शांतिपूर्ण कामों के लिए है, हालांकि यह देश अकेला ऐसा देश है जिसके पास न्यूक्लियर हथियार नहीं हैं और जिसने यूरेनियम को हथियार-ग्रेड लेवल के करीब संवर्धन किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में फिर हमला, कुछ ही घंटों में दो जहाज बने निशाना पश्चिम एशिया के संवेदनशील समुद्री क्षेत्र होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमलों की घटनाएं तेज हो गई हैं। सोमवार को ब्रिटिश सैन्य एजेंसी ने जानकारी दी कि कुछ ही घंटों के अंतराल में दो जहाजों को निशाना बनाया गया है, जिससे क्षेत्र में पहले से मौजूद तनाव और बढ़ गया है। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 11:40 बजे संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा तट के पास एक तेल टैंकर पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया। एजेंसी ने बताया कि हमले के बावजूद जहाज के सभी क्रू सदस्य सुरक्षित हैं और किसी तरह का पर्यावरणीय नुकसान भी नहीं हुआ है। हालांकि, हमले के तरीके और हमलावरों की पहचान को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले रविवार को भी इसी जलडमरूमध्य में एक अन्य जहाज पर हमला हुआ था। लगातार हो रही इन घटनाओं ने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव को और गंभीर बना दिया है। सेना हटाने के फैसले के बीच जर्मन चांसलर का बयान, अमेरिका को बताया अहम साथी जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अमेरिका को अपना सबसे महत्वपूर्ण साथी बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि उत्तरी अटलांटिक गठबंधन में अमेरिका जर्मनी का सबसे खास पार्टनर है। चांसलर का यह बयान तब आया है जब अमेरिका ने जर्मनी से अपने 5,000 सैनिकों को हटाने का फैसला किया है।

अफगानिस्तान में मीडिया पर शिकंजा: पत्रकारों पर खतरा बढ़ा, प्रेस स्वतंत्रता उल्लंघन के 150 मामले उजागर

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में मीडिया की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। अफगानिस्तान पत्रकार केंद्र की नई रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक साल में प्रेस स्वतंत्रता और पत्रकारों के अधिकारों के कम से कम 150 उल्लंघन सामने आए हैं। यह रिपोर्ट मई 2025 से अप्रैल 2026 के बीच की घटनाओं पर आधारित है और विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जारी की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में सेंसरशिप, पाबंदियां और पत्रकारों पर दबाव काफी बढ़ गया है। इन 150 मामलों में से 127 में पत्रकारों को धमकियां दी गईं, जबकि 20 मामलों में उन्हें गिरफ्तार किया गया। इनमें से 4 पत्रकार अब भी हिरासत में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के हवाई हमलों में राज्य संचालित रेडियो-टेलीविजन के दो कर्मचारियों की मौत भी हुई, जबकि एक घायल हुआ।हालांकि कुल मामलों की संख्या पिछले साल से थोड़ी कम है, लेकिन रिपोर्ट कहती है कि अब प्रतिबंधों की गंभीरता और सख्ती पहले से ज्यादा बढ़ गई है। यह बदलाव 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद लागू नीतियों के कारण हुआ है। मीडिया पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। 'जीवित प्राणियों की तस्वीरें' दिखाने पर रोक अब 34 में से 25 प्रांतों में लागू हो चुकी है, जिससे कम से कम 8 स्थानीय टीवी चैनल बंद हो गए हैं। इसके अलावा, 11 मीडिया संस्थानों को बंद कर दिया गया और 10 संगठनों के लाइसेंस रद्द कर दिए गए। सरकार के कई विभागों ने वीडियो रिपोर्टिंग और ऑन-कैमरा इंटरव्यू पर भी रोक लगा दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मीडिया को कंटेंट को लेकर भी कड़े निर्देश दिए जा रहे हैं जैसे बिना अनुमति वाले लोगों का इंटरव्यू नहीं लेना। कुछ मामलों में महिलाओं के नाम लेने या लाइव शो में उनसे बात करने पर भी चैनलों को निलंबित कर दिया गया। महिला पत्रकारों की स्थिति और भी खराब बताई गई है। कई जगह उनकी आवाज तक प्रसारण से हटा दी गई और उन पर काम करने की कड़ी पाबंदियां लगाई गईं। कुछ पत्रकारों को उनके पहनावे या दाढ़ी की लंबाई के आधार पर भी गिरफ्तार किया गया। तालिबान ने पुराने मीडिया कानूनों की जगह नए निर्देश लागू किए हैं, जो 'सदाचार और बुराई की रोकथाम' जैसे नियमों पर आधारित हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आर्थिक संकट के कारण कई मीडिया संस्थान बंद हो रहे हैं।

7 दिन में 18 लोगों की मौत, 54000 से अधिक परिवार प्रभावित

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में लगातार जारी भारी बारिश के कारण हाल में आई बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अधिकतर लोगों की मौत डूबने से हुई है। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। देश के जलविद्युत बांधों में जलस्तर बढ़ने के कारण ताना और अथी नदियों के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है। केन्या मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि मई के पहले दो सप्ताह में सामान्य से अधिक बारिश जारी रह सकती है। देश में बारिश का मौसम शुरू होने पर मार्च में भारी बारिश हुई थी, जिससे व्यापक पैमाने पर तबाही हुई। मार्च के अंत तक वर्षा जनित हादसों में 100 से अधिक लोग मारे गए। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। देश के जलविद्युत बांधों में जलस्तर बढ़ने के कारण ताना और अथी नदियों के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है। केन्या मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि मई के पहले दो सप्ताह में सामान्य से अधिक बारिश जारी रह सकती है। देश में बारिश का मौसम शुरू होने पर मार्च में भारी बारिश हुई थी, जिससे व्यापक पैमाने पर तबाही हुई। मार्च के अंत तक वर्षा जनित हादसों में 100 से अधिक लोग मारे गए।

खालिस्तानी चरमपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा, कनाडा की खुफिया रिपोर्ट में बड़ा खुलासा; अब कसेगा शिकंजा!

टोरंटो, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनावपूर्ण संबंधों के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। कनाडा की मुख्य खुफिया एजेंसी, कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस ने अपनी वर्ष 2025 की वार्षिक रिपोर्ट में खालिस्तानी चरमपंथियों को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा घोषित कर दिया है। इस रिपोर्ट के आने के बाद अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और सुरक्षा गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। कनाडा सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी इस रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ खालिस्तानी चरमपंथी कनाडाई नागरिकों और वहां के संस्थानों के साथ गहराई से जुड़े हुए हैं। ये तत्व कनाडाई संस्थानों का लाभ उठाकर समुदाय के निर्दोष और भोले-भाले सदस्यों से भारी मात्रा में धन इकट्ठा करते हैं। चिंताजनक बात यह है कि इस धन का उपयोग बाद में हिंसक चरमपंथी एजेंडे को बढ़ावा देने और भारत के खिलाफ गतिविधियों को संचालित करने के लिए किया जाता है। भारत सरकार ने पहले ही इन अलगाववादी समूहों को आतंकवादी संगठनों की सूची में डाल रखा है, जो भारत के भीतर 'खालिस्तान' नाम से एक अलग देश की मांग करते हैं। यह रिपोर्ट एअर इंडिया की उड़ान संख्या 182 (कनिष्क) में हुए भीषण बम विस्फोट की 40वीं वर्षगांठ के ठीक एक साल बाद आई है। बता दें कि यह विस्फोट कनाडा के इतिहास का सबसे घातक आतंकवादी हमला माना जाता है जिसमें 329 बेगुनाह लोगों की जान चली गई थी। जिनमें अधिकांश कनाडाई नागरिक थे। रिपोर्ट में यह साफ बताया गया है कि इस हमले के पीछे कनाडा में मौजूद खालिस्तानी तत्वों का ही हाथ था। हालांकि, खुफिया एजेंसी ने यह भी कहा है कि केवल वे लोग जो हिंसा को बढ़ावा देते हैं या उसकी योजना बनाते हैं उन्हें ही चरमपंथी माना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, खालिस्तान के समर्थन में शांतिपूर्ण और अहिंसक तरीके से अपनी बात रखना उग्रवाद की श्रेणी में नहीं आता है। भारत और कनाडा के संबंध साल 2023 में उस वक्त अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत पर आरोप लगाए थे। भारत ने इन आधारहीन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था।

हालांकि, अब सत्ता परिवर्तन के बाद प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिशें की जा रही हैं।

यूक्रेन ने रूसी तेल बंदरगाह पर किया भीषण ड्रोन हमला, बाल्टिक और काला सागर में मची भारी तबाही

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब एक नए और विनाशकारी मोड़ पर पहुंच गया है जहां से दोनों पक्ष अब एक-दूसरे के आर्थिक और ऊर्जा केंद्रों को निशाना बना रहे हैं। रविवार (3 मई 2026) को यूक्रेनी सेना ने रूस के बाल्टिक सागर स्थित प्रमुख तेल निर्यातक बंदरगाह प्रिमोर्स्क पर एक बड़ा ड्रोन हमला किया है। लेनिनग्राद के गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज्डेंको ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि हमले के वजह से शहर में आग लग गई थी। जिसे कड़ी मशक्कत के बाद बुझा लिया गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हमले से अभी तक किसी तेल रिसाव की खबर नहीं है। प्रिमोर्स्क बंदरगाह रूस के सबसे महत्वपूर्ण निर्यात केंद्रों में से एक है, जिसमें प्रतिदिन लगभग दस लाख बैरल तेल लोड करने की क्षमता है। गवर्नर ड्रोज्डेंको के अनुसार, इस उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में रात भर की सैन्य कार्रवाई के दौरान 60 से अधिक यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया गया। हाल के महीनों में यूक्रेन ने रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमलों की रफ्तार को बढ़ा दी है। जो इस बात का संकेत है कि जंग अब सीमावर्ती क्षेत्रों से निकलकर रूस के आर्थिक हितों तक पहुंच गया है।

काला सागर में 'शैडो फ्लीट' पर हमला : इस हमले को देखते हुए अब ये लगने लगा है कि यूक्रेन की रणनीति केवल बाल्टिक सागर तक नहीं रही। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने भी घोषणा की है कि यूक्रेनी बलों ने रूस के काला सागर स्थित नोवोरोसिस्क बंदरगाह के प्रवेश द्वार पर दो शैडो फ्लीट टैंकरों को आसानी से निशाना बनाया है। जेलेंस्की ने अपने टेलीग्राम संदेश में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि ये टैंकर तेल परिवहन के लिए उपयोग किए जा रहे थे लेकिन अब वे ऐसा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन अपनी लंबी दूरी की मारक क्षमताओं को जल, थल और आकाश में निरंतर विकसित करना जारी रखेगा। बता दें कि पिछले चार सालों से चल रहे इस जंग में दोनों पड़ोसी देश लगभग रोजाना एक-दूसरे पर विस्फोटकों से लदे सैकड़ों ड्रोन दाग रहे हैं। हाल ही में हुए हमले में रूसी क्षेत्र स्मोलेंस्क के एक अपार्टमेंट ब्लॉक पर हुए हमले में एक बच्चे सहित तीन लोग घायल हो गए। मास्को के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि शनिवार शाम एक गांव में हुए हमले में 77 वर्षीय एक बुजुर्ग की मौत हो गई। जबकि मास्को के मेयर के अनुसार राजधानी की ओर बढ़ रहे चार ड्रोनों को समय रहते मार गिराया गया। वहीं, अगर यूक्रेन की बात करें तो वहां भी स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी हुई है। रूसी हमलों ने यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र के प्रमुख निर्यात टर्मिनलों को निशाना बनाया है। जिसमें एक ट्रक ड्राइवर सहित दो लोगों की मौत हो गई और बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा।

नेपाल की राजनीति में महा-भूचाल! बालेन शाह ने बदले 110 कानून, एक झटके में 1594 नियुक्तियां रद्द

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था में रविवार (3 मई 2026) को बड़ा फेरबदल हुआ है। प्रधानमंत्री बालेंद्र (बालेन) शाह ने एक कड़ा रुख अपनाते हुए देशभर के विभिन्न संस्थानों में की गई 1500 से अधिक राजनीतिक नियुक्तियों को एक साथ समाप्त करने का निर्णय लिया है। इस कदम को नेपाल के हालिया इतिहास में सबसे बड़े संस्थागत सुधारों में से एक माना जा रहा है।

कैबिनेट बैठक और राष्ट्रपति की मंजूरी : प्रधानमंत्री बालेन शाह के नेतृत्व में हुई कैबिनेट बैठक के बाद सरकार ने आठ महत्वपूर्ण अध्यादेशों को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के पास भेजा था। इनमें से एक अध्यादेश विशेष रूप से सार्वजनिक निकायों में की गई राजनीतिक नियुक्तियों को समाप्त करने के लिए तैयार किया गया था। पिछली सरकारों की नियुक्तियां निशाने पर इस बड़े प्रशासनिक बदलाव की सबसे खास बात यह है कि इसमें किसी एक विशेष कार्यकाल की नहीं बल्कि पिछली कई सरकारों के दौरान की गई सभी नियुक्तियों को एक साथ निरस्त कर दिया गया है। चाहे वे नियुक्तियां केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा, पुष्प कमल दहल 'प्रचण्ड' या सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के समय की गई हों, बालेन सरकार ने उन सभी को शून्य घोषित कर दिया है। इस बड़े फैसले के लिए सरकार ने लगभग 110 अलग-अलग कानूनों में संशोधन का रास्ता अपनाया है। इस फैसले से क्या पड़ेगा असर? बालेन सरकार के इस आदेश का सबसे बड़ा असर नेपाल के विश्वविद्यालयों और स्वास्थ्य निकायों पर पड़ा है। देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान जैसे पूर्वांचल विश्वविद्यालय, पोखरा विश्वविद्यालय, संस्कृत विश्वविद्यालय, कृषि एवं वन विज्ञान विश्वविद्यालय, और लुम्बिनी विश्वविद्यालय के उपकुलपति , रजिस्ट्रार और अन्य शीर्ष पदाधिकारी हटा दिए गए हैं। वहीं, स्वास्थ्य क्षेत्र में भी उथल-पुथल देखी जा रही है। नेपाल मेडिकल काउंसिल, नर्सिंग काउंसिल, स्वास्थ्य अनुसंधान परिषद और चिकित्सा शिक्षा आयोग के पदाधिकारियों के साथ-साथ कई सरकारी मेडिकल कॉलेजों के अस्पताल निदेशकों को भी पदमुक्त कर दिया गया है। दूरसंचार से लेकर पर्यटन तक का बदलाव केवल शिक्षा और स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण, नागरिक उड्डयन प्राधिकरण, पर्यटन बोर्ड, प्रेस काउंसिल, और कर्मचारी संचय कोष जैसे प्रमुख निकायों में भी बड़े स्तर पर फेरबदल हुआ है। यहां तक कि माओवादी संघर्ष के बाद गठित शांति प्रक्रिया से जुड़े अहम निकाय जैसे सत्य निरूपण आयोग के पदाधिकारी भी इस फैसले की जद में आए हैं। जहां एक ओर सरकार इसे देश की जर्जर प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार का एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक बता रही है।

होर्मुज स्ट्रेट में फंसे जहाजों को निकालने के लिए अमेरिका ने शुरू किया 'प्रोजेक्ट फ्रीडम'

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका, होर्मुज स्ट्रेट से कमर्शियल जहाजों को निकालने के लिए सेना की मदद से एक बड़ा ऑपरेशन शुरू करेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच फंसे जहाजों को निकालने के लिए मानवीय मदद की घोषणा की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कई देशों ने मदद के लिए वाशिंगटन से संपर्क किया और कहा है कि उनका चल रहे झगड़े से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन फिर भी जहाज होर्मुज स्ट्रेट में फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'ईरान, मिडिल ईस्ट और अमेरिका की भलाई के लिए, हमने इन देशों से कहा है कि हम उनके जहाजों को इन बंद पानी के रास्तों से सुरक्षित बाहर निकालेंगे।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस कोशिश को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' बताया।

यह ऑपरेशन मिडिल ईस्ट टाइम के हिसाब से सोमवार सुबह शुरू होने वाला है। ट्रंप ने कहा कि इस कदम का मकसद न्यूट्रल और बेकसूर लोगों की मदद करने के साथ यह सुनिश्चित करना है कि जहाज आजादी से और अच्छे से अपना काम कर सकें। उन्होंने इस पहल को मानवीय दखल के तौर पर बताया और कहा कि कई जहाजों पर हालात खराब हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इनमें से कई जहाजों में खाना और बड़े क्रू के लिए स्वास्थ्य और साफ-सुथरे तरीके से जहाज पर रहने के लिए जरूरी दूसरी सभी चीजें कम पड़ रही हैं। ट्रंप ने यह भी बताया कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरी तरह पता है कि मेरे प्रतिनिधि ईरान के साथ बहुत सकारात्मक बातचीत कर रहे हैं और इन बातचीत से सभी के लिए कुछ बहुत सकारात्मक हो सकता है। हालांकि, उन्होंने किसी भी रुकावट के खिलाफ चेतावनी दी और कहा, 'अगर किसी भी तरह से इस मानवीय प्रक्रिया में दखल दिया जाता है, तो दुर्भाग्य से, उस दखल से सख्ती से निपटना होगा। ' यूएस सेंट्रल कमांड (सीईएनटीओएम) ने कन्फर्म किया है कि उसकी सेना 4 मई से शुरू होने वाले मिशन का समर्थन करेगी ताकि होर्मुज के जरिए कमर्शियल शिपिंग के लिए नेविगेशन की आजादी बहाल की जा सके। पेंटागन के डायरेक्टेड ऑपरेशन में एक बड़ी मिलिट्री तैनाती शामिल होगी। सीईएनटीओएम के बयान के मुताबिक, समर्थन में गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर, 100 से ज्यादा जमीन और समुद्र पर आधारित एयरक्राफ्ट, मल्टी-डोमेन अनमैन्ड प्लेटफॉर्म और लगभग 15,000 सेवा सदस्य शामिल होंगे। सीईएनटीओएम ने कहा, 'राष्ट्रपति के निर्देश पर यह मिशन उन व्यापारी जहाजों का समर्थन करेगा जो जरूरी इंटरनेशनल ट्रेड कॉरिडोर से आसानी से गुजरना चाहते हैं। समुद्र में दुनिया के तेल व्यापार का एक चौथाई हिस्सा और बड़ी मात्रा में फ्यूल और फर्टिलाइजर प्रोडक्ट्स इसी स्ट्रेट से ट्रांसपोर्ट किए जाते हैं। ' सीईएनटीओएम कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा, 'इस डिफेंसिव मिशन के लिए हमारा समर्थन क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है क्योंकि हम नेवल ब्लॉकेड भी बनाए हुए हैं। ' इस ऑपरेशन को बड़े डिप्लोमैटिक और मिलिट्री कोऑर्डिनेशन की कोशिशों से भी समर्थन मिलेगा। राज्य विभाग ने युद्ध विभाग के साथ साझेदारी में, अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के बीच जानकारी साझा करने और सहयोग को बेहतर बनाने के लिए मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट लॉन्च किया है।

भूत-बंगला ने बदली वामिका गब्बी की किस्मत

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की कॉमेडी से भरी फिल्म 'भूत-बंगला' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है और यह वामिका गब्बी की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ से अधिक का कलेक्शन किया है। अभिनेत्री ने फिल्म के 100 करोड़ से अधिक की कमाई पर खुशी जाहिर की है और फिल्म के मेकर्स और को-स्टार को दिल से धन्यवाद दिया है। वामिका गब्बी ने फिल्म भूत-बंगला में अपने अभिनय से सबका दिल जीत लिया है और फिल्म की कमाई की रफ्तार से अभिनेत्री काफी खुश हैं क्योंकि यह उनके करियर की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। अभिनेत्री ने फिल्म की अनसीन फोटोज को शेयर कर अपने को-स्टार और क्रू मेंबर्स को दिल से धन्यवाद दिया है।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म की बीटीएस फोटोज को शेयर कर लिखा, 'मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म। प्रियदर्शन सर, अक्षय कुमार, एकता कपूर और एफ.ए.ए.आर.ए. के साथ-साथ पूरी कास्ट और क्रू का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं, जिन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ इसमें लगा दिया। भूत बंगला जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है।' अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'यहां तक का हर कदम मेहनत, सीख और गहरी भावनाओं से भरा है। यह तो बस शुरुआत है... मैं आती रहूंगी, आगे बढ़ती रहूंगी और आपका मनोरंजन करती रहूंगी... हमेशा।' बता दें कि वामिका गब्बी की झोली में पांच फिल्में हैं, जो आने वाले सालों में रिलीज होने वाली हैं। अभिनेत्री मिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी,' दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग,' 'पति पत्नी और वो दो', पंजाबी फिल्म 'किकली,' और एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कुछ फिल्में इसी साल तो कुछ फिल्में साल 2027 में रिलीज होने वाली हैं।

नीतू चंद्रा तलाश रहीं अच्छी फिल्में, हॉलीवुड तक के सफर पर बोलीं अभिनेत्री

बिहार की एक सीधी-सादी लड़की से हॉलीवुड तक का सफर करने वाली अभिनेत्री नीतू चंद्रा को अब अच्छी फिल्मों की तलाश है। उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा है कि वे अच्छी फिल्मों की तलाश में हैं और इसमें समय लगता है। 'गरम मसाला', 'ट्रैफिक सिग्नल' और 'ओए लकी! लकी ओए!' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बिहार से निकलकर बॉलीवुड और फिर हॉलीवुड तक के सफर के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका ध्यान हमेशा सार्थक काम पर रहा है, न कि स्टारडम की दूसरी चकाचौंध और 'अनावश्यक' बाहरी दिखावे पर। अपने ब्रेक लेने की धारणा पर बात करते हुए उन्होंने साफ किया, 'मैंने कोई ब्रेक नहीं लिया। मैं अच्छी फिल्मों की तलाश करती रहती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'आप यह नहीं समझते कि बिहार से आई एक लड़की को, जो बिल्कुल साधारण बैकग्राउंड से आती है, हॉलीवुड तक पहुंचने में कितना समय लगा होगा।'

अपने सफर के बारे में नीतू चंद्रा ने कहा, 'आज मैं फिर उसी जगह खड़ी हूं, जहां मैं आप सबसे दोबारा मिल पा रही हूं। मेरे पास 'एयरपोर्ट लुक्स' के लिए समय नहीं है। मेरे पास अपने अगले प्रोजेक्ट पर ध्यान देने का समय है। मैं सही काम चुनने में अपना समय लगाती हूं, ताकि मैं दर्शकों के लिए हमेशा कुछ सार्थक ला सकूं।' अपनी मुश्किलों के बारे में बात करते हुए नीतू ने कहा, 'इसमें बहुत समय लगता है। आपको यह समझना होगा कि अकेले खड़े होने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है। एक मिडिल-क्लास जॉइंट फैमिली की लड़की का दुनिया घूमना और यहां तक पहुंचना, अकेले लड़ना आसान नहीं होता।' एक्ट्रेस ने कहा कि जिंदगी में और काम के मामले में उनका मकसद हमेशा साफ रहा है। उन्होंने कहा, 'मेरी जिंदगी का मकसद, मेरा लक्ष्य, हमेशा अच्छा काम करते रहना और दर्शकों का प्यार पाते रहना रहा है। मैं इसी प्यार की वजह से यहां हूं।' बताते चलें कि नीतू चंद्रा आने वाली फिल्म 'खलनायक 2' में संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी संग काम करके खुश हैं अदा शर्मा

अदा शर्मा जल्द ही फिल्म 'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। यह पहली बार है, जब दोनों सितारे पहली बार साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म से मनोज और अदा का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। हाल ही में अभिनेत्री ने मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। अदा शर्मा ने आगामी फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए खुशी जताई है। उन्होंने कहा , 'मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करके बहुत खुशी हो रही है। हमारे डायरेक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं, जो खुद भी एक शानदार एक्टर हैं'। उन्होंने मनोज बाजपेयी की तारीफ करते हुए उन्हें शानदार बताया। अदा ने बताया है कि वे उनके साथ काम करके बेहद खुश हैं।

अदा शर्मा ने मनोज के साथ पहली बार काम करने के बारे में बात करते हुए कहा, 'वह इस फिल्म का चेहरा हैं। 'गवर्नर' में वह गवर्नर की भूमिका निभा रहे हैं, और वे वाकई जबर्दस्त हैं'। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'उनके साथ काम करके अच्छा लग रहा है। हमारे डायरेक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं। मेरे किरदार में भी एक अच्छा-खासा सरप्राइज है और यह कुछ ऐसा रोल है, जो मैंने पहले कभी नहीं किया है'।

रेसिज्म पर बोले नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्मों में अपनी दमदार और अलग-अलग तरह के किरदारों से इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। अब हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड में होने वाले रेसिज्म और ब्यूटी स्टैंडर्ड्स पर खुलकर अपनी राय दी। साथ ही उन्होंने एक पुरानी एक्ट्रेस का उदाहरण देते हुए इस बात को समझाया। एक इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने बताया कि उन्होंने अपने करियर में रेसिज्म का सामना किया है, लेकिन उनका मानना है कि इंडस्ट्री ने उन्हें अपने तरीके से जगह भी दी। इस दौरान उन्होंने दिग्गज एक्ट्रेस स्मिता पाटिल की भी जमकर तारीफ की और कहा कि उन्होंने उनसे ज्यादा खूबसूरत किसी को नहीं देखा। उन्होंने कहा कि फिल्मों में खूबसूरती और कास्टिंग को लेकर जो सोच है, वो काफी हद तक कहानियों से ही आती है। उन्होंने समझाया कि अक्सर इंडस्ट्री में पहले से तय होता है कि किरदार कैसा दिखना चाहिए। नवाजुद्दीन ने कहा, 'लोगों की अपनी सोच होती है, लेकिन उसे सिस्टम में मत डालिए। अगर कोई लड़की ऐसी है, तो वो लीड नहीं बन सकती, ऐसा नहीं होना चाहिए। लेकिन इसमें उनकी भी गलती नहीं है, क्योंकि कहानियां ही ऐसी लिखी जाती हैं। गोरी लड़की के हिसाब से कहानियां बनाई जाती हैं। आपको एक ब्रीफ मिलता है और बहुत लोग इसी से जूझ रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि खूबसूरती हर जगह अलग-अलग तरह से देखी जाती है और इन टैग्स से किसी एक्टर की काबिलियत तय नहीं होनी चाहिए। इसी दौरान नवाजुद्दीन ने स्मिता पाटिल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें कैमरे पर उनसे ज्यादा खूबसूरत कोई नहीं लगा। उनके मुताबिक, कैमरे की अपनी एक अलग भाषा होती है, जिसमें असली खूबसूरती नजर आती है।

मैं हमेशा अपनी अभिनय क्षमता को निखारने की कोशिश करती हूं

साउथ की अभिनेत्री ममिता बैजू फिल्म 'कारा' में धनुष के साथ नजर आ रही हैं। पिछले कुछ वर्षों से तमिल दर्शक, फिल्ममेकर्स से यह मांग कर रहे हैं कि वे मुख्य भूमिकाओं में क्षेत्रीय कलाकारों को ही कास्ट करें। इस बीच विग्नेश राजा को इस बात के लिए काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है कि उन्होंने 'कारा' में मलयालम अभिनेत्री ममिता बैजू को कास्ट किया। इस मामले पर ममिता बैजू ने अपनी राय रखी है।

बातचीत में, जब ममिता से तमिल फिल्मों की कास्टिंग को लेकर चल रही चर्चा पर उनकी राय पूछी गई, तो उन्होंने कहा, 'जब मुझे यह मौका मिला, तो मैंने इसे लपक लिया। एक अभिनेत्री के तौर पर, मैं हमेशा कुछ नया आजमाने और अपनी अभिनय क्षमता को और अधिक निखारने की कोशिश करती हूं। मुझे ऐसा करने का मौका मिल रहा है और मैं इसे कर रही हूं। इसलिए, यह सबसे पहले फिल्ममेकर की पसंद होती है, जो मुझे किसी खास किरदार में देखते हैं। मैं उन्हें मना नहीं कर सकती। मैं काम करना चाहती हूं और अपनी मेहनत से बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे यह मौका मिल रहा है, इसलिए यह बिल्कुल भी अनुचित नहीं है। अगर मैं उस किरदार में पूरी तरह से ढल पाती हूं और दर्शकों को विश्वसनीय लगती हूं, तो यह मेरी उपलब्धि है। अगर कोई किरदार ग्रामीण पृष्ठभूमि का है और मैं उसमें पूरी तरह से फिट बैठती हूं, तो मेरे लिए यह उपहार है। इससे भाषा की सीमाएं टूटती हैं। यह मेरा पेशा है, और अपनी सीमाओं का विस्तार करना मेरी जिम्मेदारी है।' 'कारा' में धनुष और ममिता के अलावा जयराम, करुणास, सूरज वेंजारामूडु और के.एस. रविकुमार जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में ऐसे शख्स की कहानी दिखाई गई है जो अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी करता है। इसके निर्देशक विग्नेश राजा हैं।

धनुष के बारे में बोली ममिता

ममिता बैजू ने धनुष के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और बताया कि वह एक समर्पित अभिनेता हैं, जो अपने किरदार पर बहुत कड़ी मेहनत करते हैं।

ओटीटी, थिएटर फिल्म तीनों मीडियम के अपने अपने चैलेंज हैं

साई ताम्हणकर इन दिनों वेब सीरीज 'मटका किंग' में नजर आ रही हैं, जो 60 के दशक के बैकग्राउंड पर आधारित एक दिलचस्प कहानी है। इस प्रोजेक्ट में वे 'बरखा' जैसे दमदार किरदार में दिखाई दी हैं। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत में अभिनेत्री ने अपने किरदार, इंडस्ट्री में टाइपकास्टिंग, पैन इंडिया ट्रेंड, पर्सनल लाइफ और एक्टिंग के बदलते दौर और अपनी शादी पर खुलकर बात की।

'मैं तो खुशी से उछल पड़ी थी'

कुछ साल पहले मैंने एक फाउंडेशन के लिए एक गाने पर काम किया था, जिसे नागराज मुंगले ने डायरेक्ट किया था। उस दौरान हमारी थोड़ी सी बातचीत हुई थी और तभी से मेरे मन में कहीं न कहीं ये इच्छा थी कि मुझे उनके साथ फिर से काम करना है। जब मुझे पता चला कि 'मटका किंग' को वही डायरेक्ट कर रहे हैं, तो मेरे पास 'ना' कहने की कोई वजह ही नहीं थी। मुझे लगा कि यह एक बेहतरीन कोलैबोरेशन होगा, अच्छे कलाकार और पूरी टीम के साथ काम करने का मौका मिलेगा। कुछ प्रोजेक्ट्स ऐसे होते हैं, जिनके बारे में आपको पहले से ही भरोसा होता है कि यह प्रोडक्शन हाउस कुछ दिलचस्प ही बनाएगा। अगर आप अदिति रॉय के काम को देखें, तो उन्होंने हमेशा अलग और इंट्रेस्टिंग प्रोजेक्ट्स किए हैं। सच कहूं तो मेरा रिएक्शन यही था, मैं तो खुशी से उछल पड़ी थी।

'50-90 के दौर में जीना चाहूंगी'

इस सीरीज में हमने 60'ह्य का दौर दिखाया है। मुझे ऐसा लगता है कि उस दौर में लोग जिंदगी को ज्यादा एंजॉय करते थे। लाइफ थोड़ी ज्यादा लेड बैक थी, लेकिन साथ ही उसकी क्वालिटी भी बहुत अच्छी थी। वो दौर अपने आप में काफी फैशनेबल भी था। कॉस्ट्यूम्स को देखकर मैं सच में हैरान रह गई थी, लोग वेलवेट जैसे फैब्रिक्स पहनते थे, जो बहुत ही रॉयल और एलिगेंट लगता था। अगर कुछ साल पहले मुझसे पूछा जाता कि मैं किस दौर में टेलिपोर्ट करना चाहूंगी, तो शायद मैं किसी ऐतिहासिक युग का नाम लेती। लेकिन अब अगर आप मुझसे पूछेंगे, तो मैं कहूंगी कि मैं 50 के दशक से 90 के दशक के बीच के दौर में वापस जाना चाहूंगी। वो समय मुझे बेहद खूबसूरत, स्टाइलिश और दिल के करीब लगता है। आजकल एक्टर की लाइफ पहले से ज्यादा चैलेंजिंग हो गई है, क्योंकि हम एक साथ कई तरह के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे होते हैं। जैसे मेरे साथ अक्सर ऐसा होता है कि मैं एक मराठी फिल्म कर रही होती हूं और साथ ही कोई दूसरा प्रोजेक्ट भी चल रहा होता है। कई बार डेट्स भी बिखरी हुई होती हैं, तो आपको बीच बीच में किसी प्रोजेक्ट से जुड़ना पड़ता है। ऐसे में एक्टर के तौर पर फिर से उसी किरदार में वापस जाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मेरे लिए तो हर नए सेट के पहले चार से पांच दिन काफी रेस्टलेस होते हैं। मुझे लगता है कि यही मेरा प्रोसेस है, धीरे-धीरे उस किरदार में ढलना। अगर तुलना करें, तो वेब सीरीज में यह थोड़ा ज्यादा मुश्किल होता है, क्योंकि आपको बीच में ब्रेक लेकर फिर वापस उसी कैरेक्टर में आना पड़ता है। वहीं फिल्म में आप लगातार उस किरदार के साथ रहते हैं, हर दिन शूट करते हुए उसी फ्लो में बने रहते हैं। थिएटर की बात करें, तो वह बिल्कुल अलग दुनिया है। वहां सब कुछ लाइव होता है और एक अलग तरह की एनर्जी और अनुशासन की जरूरत होती है।

'टाइपकास्टिंग से बचने के लिए ना कहना पड़ता है'

टाइपकास्टिंग से बचना बहुत मुश्किल रास्ता है। इसके लिए एक एक्टर को अक्सर इंतजार करना पड़ता है कि उसे कुछ अलग और चुनौतीपूर्ण ऑफर किया जाए। मैं इंडस्ट्री के दूसरे पक्ष को भी समझती हूं, जब कोई एक्टर किसी खास तरह के रोल में खुद को साबित कर देता है, तो उसे उसी तरह के रोल में कास्ट करना एक सेफ बेट माना जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि अब थोड़ा रिस्क लेने की जरूरत है। एक्टर्स को रीइमैजिन करना चाहिए, उन्हें नए नजरिए से देखना चाहिए और अलग अलग तरह के किरदारों में मौका देना चाहिए। मैंने खुद भी टाइपकास्टिंग का अनुभव किया है। ऐसे में इससे बचने का एक ही तरीका है, एक जैसे रोल्स को ना कहना।

पब्लिक फिगर बनने के साथ पर्सनल स्पेस कम हो जाता है

ऐसे मोमेंट्स तो लगभग रोज ही आते हैं, खासकर सोशल मीडिया पर। हम कई बार कह चुके हैं कि एक सीमा होनी चाहिए, लेकिन सच यह है कि आप दूसरों के एक्शन्स को कंट्रोल नहीं कर सकते। मुझे लगता है कि जब आप पब्लिक फिगर बनते हैं, तो आपको यह समझना पड़ता है कि आपकी पर्सनल स्पेस काफी लिमिटेड हो जाएगी। यह एक तरह की ट्रेनिंग होती है, जो धीरे धीरे आप सीख जाते हैं।

एक नजर

हंगामे की भेंट चढ़ी जखोली बीडीसी बैठक

रुद्रप्रयाग। सभागार में ब्लॉक प्रमुख विनीता चमोली की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित बीडीसी बैठक हंगामे की भेंट चढ़ गई। बैठक शुरू होते ही जिला स्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति और पिछले प्रस्तावों पर कार्रवाई न होने से आक्रोशित जनप्रतिनिधियों ने अजय पुंडीर के नेतृत्व में सदन का बहिष्कार कर दिया और वेल (लॉबी) में धरने पर बैठ गए। साथ ही काम पूरा होने के बाद भी भुगतान न होने का मुद्दा उठाया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जब जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं हैं तो प्रस्तावों का कोई औचित्य नहीं रह जाता। बैठक में नई ग्रामीण रोजगार योजना वीबीजी रामजी के तहत दुर्गम क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या होने, काम पूरा होने के बाद भी भुगतान नहीं होने का मुद्दा प्रमुखता से उठा। जिला पंचायत सदस्य घ्यालू लाल ने बजट आवंटन न होने पर चिंता जताते हुए कहा कि आपदा के बाद ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। वहीं पाला कुराली की प्रधान ममता देवी ने प्रधानमंत्री के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम से सुर्खियों में आए अपने गांव के स्कूल की बदहाली बयां करते हुए कहा कि लोनिवि की लापरवाही से विद्यालय का आंगन और दीवारें चार वर्षों से क्षतिग्रस्त हैं जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। भुनाल गांव की प्रधान सीमा देवी ने कहा कि उनके गांव में अभी तक नेटवर्क नहीं है और पांच कार्य हो चुके हैं लेकिन भुगतान नहीं हुआ है। बक्सीर की प्रधान गीता देवी ने कहा कि पूर्व में दिए गए प्रस्तावों पर आज तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया। जनप्रतिनिधियों ने सीडीओ रुद्रप्रयाग को ज्ञापन सौंपकर वीबीजी रामजी योजना में कार्य न करने की चेतावनी दी। प्रदर्शन में शंभू प्रसाद कोठारी, जगदीश सिंह और नरेंद्र पंत सहित कई प्रधानों ने क्षतिग्रस्त स्कूलों, पेयजल किल्लत और निलंबित शिक्षकों के स्थान पर नई नियुक्ति न होने जैसे गंभीर मुद्दे उठाए। प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि जानबूझकर विकास कार्यों और मनरेगा भुगतान को लटकाया जा रहा है। आक्रोश जताने वालों में क्षेत्र पंचायत सदस्य शंभू प्रसाद कोठारी, प्रधान देवल नरेंद्र पंत, धनकुराली प्रधान नरेंद्र सिंह राणा, प्रधान चोपड़ा दरम्यान सिंह सहित ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य उपस्थित रहे।

आधार कार्ड के लिए जाना पड़ रहा 50 से 100 किमी दूर

चमोली। आदिबदरी डाकघर में आधार कार्ड बनाने की मशीनें होने के बावजूद ग्रामीणों को यह सुविधा नहीं मिल पा रही है। ऐसे में क्षेत्र के कई गांवों के लोगों को आधार कार्ड बनाने और संशोधन के लिए 50 से 100 किलोमीटर दूर कर्णप्रयाग, गैरसैंण या सिमली जाना पड़ रहा है। डाकघर में वर्ष 2023 में आधार कार्ड बनाने की मशीन लगाई गई थी लेकिन यह लंबे समय तक निष्क्रिय रही। बीच में कुछ महीनों के लिए यहां काम हुआ लेकिन पिछले दो वर्ष से मशीनें फिर धूल फांक रही हैं। सामाजिक कार्यकर्ता बचन सिंह नेगी ने बताया कि मज्याड़ी मल्ली, सिलपाटा, प्यूंरा, बेड़ी, छिमटा केड़ा और पंडाव जैसे कई गांवों के ग्रामीणों को आधार कार्ड संबंधी कार्यों के लिए भटकना पड़ रहा है। उन्होंने शासन-प्रशासन से आदिबदरी डाकघर में शीघ्र आधार कार्ड बनाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। वहीं आदिबदरी डाकघर के पोस्टमास्टर रमेश चंद्र धीमन ने बताया कि मशीन तो हैं मगर इसे संचालित करने के लिए कोई प्रशिक्षित व्यक्ति नहीं है। स्टाफ के लिए जल्द व्यक्ति का चयन कर उसे प्रशिक्षित किया जाएगा।

ठंड से बिगड़ी तीन श्रद्धालुओं की तबीयत, हेलिकॉप्टर से भेजा

रुद्रप्रयाग। कई दिनों से हो रही बारिश और केदारनाथ में अत्यधिक ठंड से स्वास्थ्य खराब होने पर तीन श्रद्धालुओं को मंगलवार सुबह प्रशासन ने हेली सेवा से सुरक्षित स्थान पर भेजा। छत्तीसगढ़ निवासी धर्मपाल साहू (35) को सांस लेने में तकलीफ होने पर सुबह साढ़े दस बजे विवेकानंद अस्पताल से हेलिपैड पहुंचाया गया। वहीं राजस्थान के धौलपुर निवासी दिलीप (53) को हाई एल्टीट्यूड पल्मोनरी एडिमा और सांस फूलने की शिकायत पर साढ़े दस बजे भेजा गया। इसके अलावा प्रयागराज निवासी प्रिंस (24) को दिल की धड़कन तेज होने पर दस बजे हेलिपैड लाया गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की संयुक्त टीम ने तीनों मरीजों को केदारनाथ में प्राथमिक उपचार के बाद हेलिकॉप्टर से निचले इलाकों में स्थित चिकित्सा केंद्र भेजा।

भीमबली के पास घोड़े से गिरकर यात्री घायल

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग पर भीमबली के समीप एक यात्री घोड़े से गिरकर घायल हो गया। मंगलवार सुबह करीब 8:45 बजे हरियाणा के अंबाला कैंट निवासी तरुण कुमार (58) गौरीकुंड से केदारनाथ की ओर घोड़े से जा रहे थे। इसी दौरान घोड़े का पैर फिसलने से वह रास्ते पर गिर गए और उनके पैर में चोट लग गई। सूचना मिलने पर डीडीआरएफ, वाईएमएफ और आपदा मित्र की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और घायल यात्री को भीमबली से स्ट्रेचर से मीठा पानी तक पहुंचाया गया। इसके बाद जंगलचट्टी की टीम ने उन्हें चिरबासा हेलिपैड तक पहुंचाया। चिरबासा से आगे गौरीकुंड में टीम ने घायल को एंबुलेंस से उपचार के लिए भेजा गया।

मसूरी में बारिश के साथ सर्द हवाएं चलने से ठंड बढ़ी

देहरादून। पर्यटन नगरी मसूरी में मंगलवार देर शाम को मौसम के करवट ली। आसमान में काले बादल छाने के साथ ही शहर में बारिश के व घना कोहरा छा गया। इस दौरान माल रोड पर भी सन्नाटा पसर गया अधिकांश पर्यटक होटलो की ओर लौट गए।इससे पूर्व शहर में सुबह से लेकर शाम तक चटक धूप खिली रही।

शाम को 6:00 बजे करीब मौसम के करवट बदलते ही बारिश के साथ ही सर्द हवाएं चलनी शुरू हो गई। इस मौके पर देश-विदेश से मसूरी घूमने आए पर्यटक यहां के मौसम का आनंद उठाते हुए नजर आए। माल रोड की सैर कर रहे पर्यटक समीर ने बताया कि यहां पर मौसम काफी ठंडा हो गया है जबकि मैदानी इलाकों में इन दिनों गर्मी से हाल बेहाल है। यहां पर भी मौसम का काफी इंजॉय कर रहे हैं। इस बार भी यात्रा सीजन और बारिश के दौरान पहाड़ी से लगातार मलबा, पत्थर गिर रहा है।

गाइड होटल कर्मचारी यूनियन के विजय कठैत सभापति

देहरादून। गाइड व होटल कर्मचारी यूनियन के वार्षिक चुनाव सर्व सम्मति से संपन्न हो गए। विजय कठैत सभापति चुने गए। अनूप कोठारी मंत्री, पूरण सिंह कंडारी कोषाध्यक्ष, जगदीश उनियाल उप सभापति, प्रेम लाल खंडूरी व तुलसी राम नौटियाल संयुक्त मंत्री, देवी गोदियाल, भगवान दत्त सेमवाल, नागेंद्र डिमरी विशिष्ट सदस्य मनोनीत हुए। चैतराम बडोनी, बलबीर सिंह रावत, धनीराम बडोनी, गणपति गोस्वामी, धर्मानंद नौटियाल, कुंदन सिंह पंवार, दरम्यान सिंह कंडारी, खिला सिंह पंवार को सदस्य कार्यकारणी बनाया गया।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता

सुरक्षित, सुगम एवं सुव्यवस्थित यात्रा हेतु प्रशासन मुस्तैद

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा 2026 को और भी अधिक सुरक्षित, सुगम एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से आयुक्त गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडेय एवं पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप द्वारा मंगलवार को श्री केदारनाथ धाम पहुंचकर यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने धाम क्षेत्र पर संचालित व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान आयुक्त एवं आईजी ने श्रद्धालुओं एवं तीर्थ पुरोहितों से सीधे संवाद कर यात्रा संबंधी कठिनाइयों एवं सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। आयुक्त ने बाबा केदार के दर्शन हेतु लागू टोकन व्यवस्था की समीक्षा

करते हुए निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित एवं कतारबद्ध तरीके से ही दर्शन कराए जाएं। बिना टोकन पर्ची के किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अराजकता को सख्ती से रोका जाए तथा इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती निरंतर सुनिश्चित रखी जाए। स्वच्छता व्यवस्थाओं पर विशेष जोर देते हुए आयुक्त ने शौचालयों की नियमित सफाई, पेयजल की उपलब्धता तथा पर्याप्त सफाई कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कूड़ा निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखने एवं धाम क्षेत्र में हो रही बर्फबारी के चलते फिसलन वाले स्थानों पर नियमित रूप से बर्फ हटाने को कहा, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही सुरक्षित बनी रहे। सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आईजी गढ़वाल ने धाम क्षेत्र एवं यात्रा मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती, भीड़ नियंत्रण प्रणाली तथा आपातकालीन सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि संवेदनशील स्थलों पर सतत निगरानी रखी जाए तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आयुक्त द्वारा हेली सेवाओं की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने हेलिपैड पर यात्रियों की सुविधा, संचालन व्यवस्था एवं सुरक्षा उपायों की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त पेयजल, विद्युत आपूर्ति, आवास, भोजन एवं गैस सिलेंडर जैसी आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता का भी जायजा लेते हुए संबंधित विभागों को सेवाएं निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

65 छात्र-छात्राओं को दिया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

चमोली। राजकीय इंटर कॉलेज उडामांडा में छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। 10 दिवसीय इस प्रशिक्षण में 65 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विद्यालय में दस दिवसीय रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षक खुशहाल सिंह नेगी ने बताया कि विद्यालय के 65 छात्र-छात्राओं ने अनुशासित ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसमें जूडो कराटे, मार्शल आर्ट व बॉक्सिंग का प्रशिक्षण दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ब्रह्मानंद किमोठी ने कहा कि कम समय में लिया गया यह प्रशिक्षण दैनिक जीवन में अधिक सुरक्षित महसूस करने में मदद करेगा। बताया कि समग्र शिक्षा के तहत यह निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में अनुशासन, सहयोग व समर्पण के साथ कार्य करने वाले तीन छात्राओं अवंतिका, आरुषि व प्रिया को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

शक्ति, भक्ति, साहस और सेवा के प्रतीक हैं भगवान हनुमान : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को चकराता रोड़ स्थित, प्राचीन श्री हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान बजरंगबली से प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए प्रदेश की उन्नति, विकास और जनकल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान हनुमान शक्ति, भक्ति, साहस और सेवा के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें निस्वार्थ सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है।

मंगल दलों और एनएसएस इकाइयों को किया जाएगा मजबूत : सुयाल

नई टिहरी। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के उपाध्यक्ष विनोद सुयाल ने कहा कि प्रदेश में युवा मंगल दल, महिला मंगल दल, एनएसएस इकाइयों को साहसिक खेलों और स्किल डेवलपमेंट में और मजबूत करने पर काम किया जाएगा। भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में दावित्धारी सुयाल ने कहा कि युवा और महिला मंगल दल को ग्रामीण क्षेत्रों में और मजबूत कर सांस्कृतिक और खेलकूद गतिविधियों आगे बढ़ाया जाएगा। केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को युवाओं और जनता के बीच लाने का काम किया जाएगा। प्रांतीय रक्षक दल कर्मियों के लंबित मांगों के निस्तारण के लिए वह मुख्यमंत्री धामी और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्य से वार्ता कर मामलों के निराकरण की मांग करेंगे। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद रतूड़ी, महामंत्री बलवंत रावत, जयेंद्र सेमवाल, जयेंद्र पंवार, सुधीर बहुगुणा, शांति प्रसाद खंडूरी, सुधीर बहुगुणा, नीरज खत्री असगर आदि आदि मौजूद थे।

कांग्रेस ने उठाई पीड़ित परिवार को न्याय दिलवाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सतपुली के रैतपुर में आत्महत्या करने वाले युवक के परिवार को न्याय दिलवाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। कहा कि परिवार के अनुसार मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी तहसील परिसर में पहुंचे। जहां उन्होंने उपजिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। कांग्रेस पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत ने कहा कि रैतपुर में युवक द्वारा आत्महत्या की घटना चिंता का विषय है। युवक ने पुलिस पर उसके उत्पीड़न का आरोप लगाया। आरोप है कि पुलिस ने पंकज को बुरी तरह से पीटा। पंकज ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में भी प्रचारित किया। आरोप है कि पुलिस की प्रताड़ना से आहत पंकज ने पुल की रेलिंग से लटक कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर दी। पंकज परिवार का अकेला कमाने वाला था। कहा कि पंकज को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाए। इस मौके पर बलवीर सिंह रावत, शीला भारती, प्रदीप नेगी, महावीर नेगी, विनोद रावत, संजय सिंह रावत, प्रेम सिंह पयाल, लक्षी चौहान मौजूद रहे।

जयहरीखाल महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : जयहरीखाल महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव के अवसर पर पूर्व दिवस पर विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रंगोली, ऐपण, वेस्ट मटेरियल का उपयोग, मेहंदी तथा स्टोन पेंटिंग जैसी प्रतियोगिताएं प्रमुख आकर्षण रहीं।

विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ इन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एल.आर. राजवंशी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। रंगोली एवं ऐपण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पारंपरिक कला और आधुनिक डिजाइनों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया, जिसने सभी का मन मोह लिया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अमीषा रावत (बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर), तान्या एवं प्रीति (बी.एड. प्रथम सेम), द्वितीय स्थान अर्चना, आरती मनी (बी.एड प्रथम सेम), एवं यशोदा सलोनी मालती (बी. ए चतुर्थ सेम) ने प्राप्त किया। ऐपण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमकुम रावत (बी.एस.सी. षष्ठम सेम), द्वितीय स्थान स्मृति रावत (बी.कॉम. द्वितीय सेम), तृतीय स्थान दिया नेगी

(बी.ए. द्वितीय सेम) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वेस्ट मटेरियल का प्रयोग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अनुपयोगी वस्तुओं को पुनः उपयोगी और आकर्षक रूप देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस प्रतियोगिता में पुराने अखबार, प्लास्टिक, बोतलें एवं अन्य सामग्री का अभिनव उपयोग देखने को मिला। वहीं मेहंदी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बारीक और आकर्षक डिजाइनों से अपनी कला का परिचय दिया, जिसे निर्णायकों द्वारा काफी सराहा गया। वेस्ट मैटेरियल के उपयोग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमकुम रावत (बी. एस सी. षष्ठम सेम), द्वितीय स्थान (बी.ए. द्वितीय सेम) एवं तृतीय स्थान कनिका कुकरेती (एम.एस.सी द्वितीय सेम) एवं खुशबू (बी. एस.सी. षष्ठम सेम) ने प्राप्त किया। स्टोन पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कनिका कुकरेती (एम.एस.सी. द्वितीय सेम), खुशबू (बी.एससी द्वितीय सेम), द्वितीय स्थान अमीषा रावत (बी.ए. द्वितीय सेम) एवं तृतीय स्थान दिया एवं संजना ने प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिनाज खातून (बी.ए. द्वितीय सेम), द्वितीय स्थान कुमकुम (बी.एससी. षष्ठम सेम) एवं तृतीय स्थान मेघा (बी. ए.चतुर्थ सेम) ने हासिल किया।

घनसाली और चमियाला में हाइडेंट का प्रस्ताव फाइलों में कैद

नई टिहरी। गर्मियों में आगजनी का खतरा बढ़ जाता है लेकिन जिले का अग्निशमन विभाग संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। काम चलाऊ व्यवस्था में सुधार के प्रयास धरातल पर नहीं उतर पा रहे हैं। विभाग की मांग का प्रस्ताव लंबे समय से फाइलों में कैद है। जिला मुख्यालय स्थित फायर स्टेशन के पास पर्याप्त साधन हैं। हालांकि, लगातार विकसित हो रहे ग्रामीण बाजारों में आगजनी से निपटने के लिए कोई तत्काल व्यवस्था नहीं है। दूर-दराज के बाजारों में घटना होने पर मुख्यालय से ही राहत व बचाव टीम भेजनी पड़ती है। वर्ष 2021-22 में घनसाली में अग्निशमन विभाग की एक यूनिट खोली गई थी लेकिन वहां अभी तक पर्याप्त संसाधन नहीं हैं और केवल एक फायर हाइडेंट से काम चलाया जा रहा है।

संसाधनों की कमीः घनसाली में दो और चमियाला में एक प्रस्तावित हाइडेंट का प्रस्ताव भी फाइलों में अटका है। जिला मुख्यालय में भी त्रैश फायर टेंडर के बदले काम चलाऊ व्यवस्था है। उड्डयन विभाग से मिला एक त्रैश फायर टेंडर कोटीकॉलोनी हेलिपैड पर हेली सेवा की सुरक्षा में व्यस्त है। इससे अन्य हेलिपैड की सुरक्षा के लिए सिलिंडर और ड्रम फोम टेंडर का उपयोग करना पड़ता है। लंबगांव, कैंपटी, कंडीसौड़, जाखणीधार और गजा जैसे बड़े बाजारों में कहीं भी हाइडेंट की व्यवस्था नहीं है।

होमस्टे व्यवसाय को नए नियमों के दायरे में लाया गया

पहले नक्शा, फिर पंजीकरण

नई टिहरी। टिहरी जिले में तेजी से बढ़ रहे होमस्टे व्यवसाय को अब नए नियमों के दायरे में लाया गया है। पर्यटन विभाग ने होमस्टे पंजीकरण के लिए नक्शा पास करना अनिवार्य कर दिया है। अब बिना स्वीकृत नक्शे के कोई भी व्यक्ति होमस्टे का संचालन नहीं कर सकेगा। नए नियमों के तहत हाईवे से सटे क्षेत्रों में बनने वाले होमस्टे के नक्शे को जिला विकास प्राधिकरण से स्वीकृति लेनी होगी जबकि आंतरिक और ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत नक्शा पास करेगा। इसके लिए इच्छुक लोगों को संबंधित विभाग में आवेदन करना अनिवार्य होगा।जिले में वर्तमान समय में करीब 630 होमस्टे पंजीकृत हैं जो पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का बड़ा माध्यम बनता जा रहा है।

630 लोग अपने होम स्टे का पंजीकरण करा चुकेः खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे लोगों की आर्थिक बढ़ाने में मददगार साबित हो रहा है। पर्यटन विभाग को इस वित्तीय वर्ष में 24 नए होमस्टे का लक्ष्य दिया गया था जिसे पूरा कर लिया गया है। वहीं, 12 नए आवेदनों की प्रक्रिया अभी बैंक स्तर पर लंबित है। होमस्टे योजना के तहत सरकार की ओर से 50 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान है। इच्छुक लोग बैंक से अधिकतम 30 लाख तक का ऋण ले सकते हैं। इसके लिए होमस्टे में न्यूनतम छह कमरे और 24 बेड की व्यवस्था होना अनिवार्य है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में 630 लोग अपने होम स्टे का पंजीकरण करा चुके हैं।

पुलिस ने बिछुड़ों को परिजनों से मिलाया

चमोली। श्रद्धालुओं की उमड़ रही भीड़ के कारण बदरीनाथ धाम में कई बार बच्चे परिवार से बिछुड़ जा रहे हैं। पुलिस सक्रियता दिखाते हुए ऐसे बच्चों को उनके परिजनों से मिलवा रही है। बदरीनाथ थानाध्यक्ष नवनीत भंडारी ने बताया कि सोमवार और मंगलवार को ऐसे करीब पांच मामले सामने आए। कर्नाटक निवासी नरसिंह हैबर परिवार से बिछुड़ गए। पुलिस कांस्टेबल सरदार व आदर्श रमोला ने तेजी दिखाते हुए नरसिंह हैबर को ढूंढ निकाला। गाजियाबाद निवासी नीलम गुप्ता मंदिर परिसर में परिजनों से बिछुड़ गईं। कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह ने काफी प्रयास के बाद महिला को ढूंढ लिया। दिल्ली निवासी मुकुल सिंघल (15) परिवार से बिछुड़ गया।

उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा में कम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों से स्पष्टीकरण मांगा

चमोली। मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा में कम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों का कम परीक्षा परिणाम दर्शाता है कि अध्यापकों की ओर से शिक्षण कार्य को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। शैक्षिक गुणवत्ता में वृद्धि के प्रयास भी कम ही दिख रहे हैं। मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने जिले के हाईस्कूल व माध्यमिक बोर्ड के परिणाम को लेकर ऑनलाइन बैठक की। कम परीक्षा परिणाम पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि जिले के कुल परीक्षा परिणाम से कम परीक्षाफल आना अत्यंत खेद का विषय है। कम परीक्षा परिणाम से यह लगता है कि अध्यापक विद्यालयों के शिक्षण कार्य को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं और इसका असर परीक्षा परिणाम और छात्र-छात्राओं पर पड़ रहा है। उन्होंने सभी विद्यालयों को निर्देश दिए कि परीक्षा परिणाम कम होने के संबंध में सभी प्रधानाचार्य व प्रधानाध्यापक और संबंधित विषयों के शिक्षक स्पष्टीकरण दें और भविष्य में परीक्षाफल सुधार के लिए कार्ययोजना तैयार करें। विद्यालयों में अधिक से अधिक उपचारात्मक कक्षाएं भी चलाई जाएं। जिले में 44 इंटर कॉलेज ऐसे हैं जिनका 12वीं का परीक्षा परिणाम जिले के कुल परीक्षा परिणाम 89.75 प्रतिशत से कम है। वहीं दसवीं में 66 इंटर कॉलेज व हाईस्कूल ऐसे हैं जिनका परिणाम जिले के कुल परिणाम 92.42 प्रतिशत से कम है।

डेयरी उद्यम के माध्यम से बढ़ रही ग्रामीण महिला की आय

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपद में अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष सहायतित ग्रामोत्थान परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें आजीविका के नए अवसरों से जोड़ा जा रहा है।

इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत ग्राम मठ झडेता की निवासी श्रीमती लक्ष्मी देवी, जय भैरव नाथ स्वयं सहायता समूह (भोलेनाथ ग्राम संगठन, बिरही गंगा क्लस्टर, बिरही) से जुड़ी हैं। अपनी मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने डेयरी फार्मिंग को आजीविका का माध्यम बनाया है। परियोजना के तहत उन्हें डेयरी गतिविधि प्रारंभ करने के लिए 35,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस सहयोग से उन्होंने डेयरी व्यवसाय शुरू किया और गांव व आसपास के क्षेत्रों में दूध का विक्रय प्रारंभ किया। वर्तमान में श्रीमती लक्ष्मी देवी प्रतिदिन

लगभग 7 से 8 लीटर दूध का उत्पादन कर रही हैं और स्थानीय बाजार में इसका विक्रय कर रही हैं। इस कार्य से उन्हें प्रतिमाह लगभग 7,000 से 8,000 की आय प्राप्त हो रही है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। इस संबंध में श्रीमती लक्ष्मी देवी कहती हैं, ग्रामोत्थान परियोजना से मिली सहायता ने मुझे आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। अब मैं अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हूं और आगे अपने डेयरी व्यवसाय को और बढ़ाना चाहती हूं। यह सफलता कहानी दर्शाती है कि सहायतित ग्रामोत्थान परियोजना के सहयोग से ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम बढ़ा रही हैं और अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं।

टिहरी के विद्यालयों में शौचालय निर्माण के लिए बजट जारी

नई टिहरी। टिहरी जिले के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में लंबे समय से बनी शौचालयों की कमी और जर्जर स्थिति अब जल्द दूर होने की उम्मीद जगी है। जिले के 62 विद्यालयों में नए शौचालय निर्माण के लिए शासन स्तर से स्वीकृति मिल गई है। कार्य के लिए कुल दो करोड़ 34 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है जिसके तहत प्रत्येक विद्यालय में एक शौचालय निर्माण पर करीब 3.79 लाख खर्च किए जाएंगे। टिहरी जिले के कई प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शौचालयों का अभाव बना था। कुछ विद्यालयों में एक ही शौचालय का उपयोग छात्र-छात्राओं को करना पड़ रहा था जिससे छात्राओं को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्वच्छता और सुरक्षा के लिहाज से यह स्थिति चिंताजनक बनी थी जिन विद्यालयों में शौचालयों की कमी बनी थी।

आईपीएल में आज होगा सनराइजर्स और पंजाब किंग्स का मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल 2026 के 49वें मैच में बुधवार को अपने घरेल मैदान में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। सनराइजर्स का लक्ष्य इस मैच में जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदार पक्की करना रहेगा। अभी वह 10 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ ही वह अंक तालिका में अभी 12 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

वहीं दूसरी ओर नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स ने अपने 8 मैच जीते हैं जबकि एक मैच का परिणाम बारिश के कारण नहीं आया। जिससे उसके कुल 13 अंक हैं और वह शीर्ष पर है उसका लक्ष्य ये मैच भी जीतकर अपना स्थान बनाये रखना होगा। इससे पहले हुए मैच में पंजाब ने मुल्लनपुर में हुए मुकाबले में सनराइजर्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। वहीं हैदराबाद की टीम उस हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला तकरीबन बराबरी का है।

पंजाब के पास प्रभसिमरन सिंह , प्रियांश आर्य, कूपर कोनोली और कप्तान श्रेयस अय्यर जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन , हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में सनराइजर्स की कमान कप्तान पैट कमिंस के पास रहेगी, इसके अलावा उसके पासा हर्षल पटेल, साकिब हुसैन जैसे गेंदबाज भी हैं। हीं पंजाब के पास मार्को यानसन, जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल जैसे गेंदबाज हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच25 मुकाबले हुए हैं जिसमें से

सनराइजर्स हैदराबाद ने 17 जबकि पंजाब किंग्स ने 8 जीते हैं।ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, अनिकेत वर्मा, शिवांग कुमार, हर्षल पटेल, साकिब हुसैन, इम्पैक्ट प्लेयर: ईशान मलिंगा

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, कूपर कोनोली, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, नेहल वढेरा, मार्को यानसन, जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, इम्पैक्ट प्लेयर: विजयकुमार वैशाक

एवर्टन से मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहने से मैनचेस्टर सिटी की खिताब जीतने की संभावनाएं कम हुईं

लंदन (एजेंसी)। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल खिताब की दौड़ में मैनचेस्टर सिटी पिछड़ती जा रही है। एवर्टन के खिलाफ हुए मुकाबले के 3-3 से बराबरी पर रहने से भी अंक तालिका में उसे झटका लगा है। इससे उसके खिताब जीतने की उम्मीदें कम हुई हैं। इस ड्रॉ के साथ ही अब सिटी शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल क्लब से पाँच अंक पीछे है, जबकि उसे अब लीग में केवल एक ही मैच खेलना है। दूसरी ओर आर्सेनल को अभी अपने तीन मैच खेलने हैं, और यदि वे इन सभी मैचों में जीत हासिल कर लेते हैं, तो खिताब उन्हें मिल जाएगा।वहीं , मध्य तालिका में मौजूद एवर्टन के लिए यह ड्रॉ काफी महत्वपूर्ण था, इससे यूरोपीय क्वालिफिकेशन की उसकी उम्मीदें बरकरार रहेंगी।

इस मैच की शुरुआत में, मैनचेस्टर सिटी ने खेल पर पूरी तरह से दबाव बनाए रखा। पहले 20 मिनट में अधिकतर समय गेंद सिटी के पास रही थी। वहीं एवर्टन की रक्षापंक्ति पर दबाव बना रहा। उसे पास पासिंग के साथ ही आक्रमण के अवसर कम मिले। वहीं 43वें मिनट में जेरेमी डोकू ने गोल दागकर सिटी को 1-0 से आगे कर दिया।

दूसरे हाफ में खेल में बदलाव आया और एवर्टन ने वापसी करते हुए सिटी के डिफेंस को तोड़ते हुए केवल 13 मिनट के अंदर ही तीन गोल कर मुकाबले को पूरी तरह पलट दिया। वहीं स्थानापन्न खिलाड़ी थिएनों बैरी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे जबकि जेक ओब्रायन ने एक और गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। वहीं सिट ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 83वें मिनट में स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड के एक बेहतरीन गोल से अंतर 3-2 तक पहुंचाया। ,मैच इंजरी टाइम में मैच पहुंचने के बाद एवर्टन की जीत लगभग तय दिख रही थी। इसी दौरान स्टॉपेज टाइम के सातवें मिनट में, जेरेमी डोकू ने ए अपना दूसरा गोल कर मैच को 3-3 से बराबरी पर ला दिया।

हार्दिक के बाहर होते ही रोहित की मुम्बई इंडियंस में वापसी से उठे सवाल

-टीम में सबकुछ ठीक नहीं होने की अटकलें तेज हुईं

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस में लगता है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। ड्रेसिंग रूम में जारी टकराव का प्रभाव मैदान पर भी नजर आने लगा है। इससे टीम के प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए मैच में एक बार फिर ये देखने में आया है। इस मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या के अचानक बाहर होने के बाद पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की मैच में वापसी पर भी सवाल उठे हैं।

सोमवारर रात हुए इस मैच में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को छह विकेट से हरा दिया हालांकि इस मैच में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर रही कि पिछले कुछ समय से लगातार चोटिल रहे रोहित अचानक ही अंतिम ग्यारह में शामिल हो गए, जबकि नियमित कप्तान पंड्या मैच से बाहर थे। रोहित ने इस मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में ही छह चौके और सात छक्कों की सहायता से 84 रन बनाकर मुम्बई की जीत में अहम भूमिका निभाई।

इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर और क्रिकेट जानकारों के बीच यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि रोहित फिटनेस को लेकर जानबूझकर अंतिम ग्यारह से बाहर थे और जैसे ही पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया, रोहित खेलने के तैयार हो गए। ये भी कहा जा रहा है रोहित, हार्दिक की कप्तानी में खेलने को लेकर सहज नहीं हैं। इसी लिए उन्होंने सूर्यकुमार की कप्तानी में वापसी की। इससे मुंबई इंडियंस में जारी मतभेद सामने आ गये हैं। कहा जा रहा है कि हार्दिक को कप्तानी से कई खिलाड़ी खुश नहीं हैं। इसी कारण टीम हार्दिक की कप्तानी में लगातार असफल रही है और प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच पायी है। पिछले सत्र में भी यही हुआ था।

हालांकि पंड्या के अचानक मैच से बाहर होने के पीछे पीठ में अकड़न बताई गई है। सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन के बयान से ये अंदाजा होता है। रेयान ने कहा,कि उन्हें मैच के दिन ही दोपहर में हार्दिक की चोट का पता चला था। साथ ही कहा कि ये कितनी गंभीर है ये उन्हें जानकारी नहीं थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि हार्दिक अगले मैच में टीम के साथ होंगे। इससे पहले, कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय हार्दिक के चोटिल होने की पुष्टि की थी। सवाल यह है कि क्या यह चोट इतनी गंभीर थी कि हार्दिक को बाहर बैठना पड़ा, या इसके पीछे कोई और रणनीति काम कर रही थी, जिसने रोहित की वापसी का रास्ता साफ किया?

अब देखना है कि मुंबई इंडियंस टीम प्रबंधन कैसे इस आंतरिक संघर्ष को समाप्त करता है।

सुपर जायंट्स-मुम्बई इंडियंस मैच के बाद अंकतालिका में नहीं आया बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की टीम ने यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में जीत दर्ज की है पर इसके बाद भी अंकतालिका में उसका स्थान नहीं बदला और वह नौवें स्थान पर ही बनी हुई है। मुंबई के इस सत्र में मिली इस तीसरी जीत ने 10 मैचों में 6 अंक हो गये हैं और वह , अंक तालिका में नौवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, लखनऊ की टीम नौ मैचों में केवल 4 अंकों के साथ ही तालिका में दसवें स्थान पर कायम है। अंक तालिका में पंजाब किंग्स की टीम

ने 9 मैचों में 6 जीत और एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाने से मैच से 13 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 9 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है।

तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैदराबाद, राजस्थान और गुजरात की टीमें हैं, जिन्होंने 10-10 मैच खेलकर 6-6 जीत से 12-12 अंक हासिल किए हैं। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर सनराइजर्स अंक तालिका में इनमें सबसे ऊपर है। सातवें नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स है, जबकि आठवें स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम है। इन दोनों टीमों ने 9-9 मैच खेलने के बाद 4-4 मुकाबले जीते हैं, जिससे उनके 8-8 अंक हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच लैंगर ने माना, ऋषभ रन नहीं बना पा रहे

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा है और टीम इसी कारण अंतिम स्थान पर है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी उम्मीद के अनुरुप नहीं रही है। इसी कारण टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में 200 से अधिक रन बनाने के बाद भी अपने स्कोर का बचाव नहीं कर सकी। टीम के खराब प्रदर्शन के पीछे कप्तान ऋषभ पंत का रन न बनाना भी एक बड़ा कारण रहा है। वहीं मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार के बाद कोच जस्टिन लैंगर ने भी माना है कि कप्तान का फार्म ठीक नहीं है।

मुंबई के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्होंने रन बनाये थे पर मैच के दौरान वह विफल रहे। इस मैच में उन्होंने जोश इंग्लिस को मिचेल मार्श के साथ पारी शुरु करने भेजा था। वहीं निकोलस पूरन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। ऋषभ चौथे नंबर पर उतरे पर वह केवल 15 रन ही बना पाये। इसी को लेकर लैंगर ने कहा कि मैच से दो दिन पहले हुए एक अभ्यास सत्र में कप्तान ने 30 से 40 गेंदों में तेजी से 95 रन बनाए थे। लैंगर ने कहा, हमने दो दिन पहले एक अभ्यास मैच खेला था, और उसमें कप्तान ने शायद 40 या 30 गेंद में 95 रन बनाए थे।उन्होंने ऋषभ की क्षमताओं की तारीफ करते हुए कहा, वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, हम जानते हैं। हमने उन्हें टेस्ट क्रिकेट में पांचवें नंबर पर टीमों को तबाह करते देखा है। कोच ने यह भी जोड़ा कि उन्हें लगा था कि सात दिनों के ब्रेक के बाद और प्रैक्टिस में पंत के शानदार प्रदर्शन के चलते, मैच में उनका प्रदर्शन टीम के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है।लैंगर ने कह कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव भी कप्तान ने स्वयं किया था। साथ ही उम्मीद जतायी कि वह अगले कुछ मैचों में हमें जीत दिलाएंगे दिलाएंगे।

जैमिमा को टी20 विश्वकप में नंदानी के बेहतर प्रदर्शन करने का भरोसा

मुम्बई । आगामी टी20 विश्वकप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल उभरती हुई खिलाड़ी नंदानी शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। टी20 विश्वकप 12 जुलाई से इंग्लैंड में खेला जाएगा। इसी को लेकर भारतीय टीम अभी तैयारियों में लगी है। टीम की आक्रामक बल्लेबाज जैमिमा रोड्रिग्स को उम्मीद है कि नंदानी बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। जैमिमा के अनुसार हाल के दिनो में नंदानी ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा खेला है जिसे अब अब बरकरार रखने पर ध्यान देंगी। जेमिमा ने नंदानी की क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा है कि वह शीघ्र ही टीम के अनुरुप ढ़ल जाएंगी। नंदानी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जैमिमा की कप्तानी में खेला था। लीग में नंदानी ने अपनी प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। नंदानी ने अपन पहले ही डब्ल्यूपीएल लीग में हैट्रिक लगायी थी। उन्होंने पूरे सत्र में सबसे अधिक 17 विकेट लिए थे। ये प्रतियोगिता में किसी खिलाड़ी के सबसे अधिक विकेट रहे है। इसी अच्छे प्रदर्शन और अमनजोत कौर व काशवी गौतम जैसे खिलाड़ियों के बाहर होने से नंदानी को टीम को जगह मिली है। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने नंदानी का स्वागत करते हुए उनके घरेलू क्रिकेट और डब्लयूपीए में प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित है।

बुमराह पर भड़के गावस्कर बोले, नो बाल स्वीकार नहीं कर सकते

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे सुनील गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर का कहना है कि जिस प्रकार से बुमराह ने इस सत्र में 8 नो बाल की है उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। बुमराह ने 3 नो बाल तो लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ ही की थीं। गावस्कर के अनुसार वाइड बाल को एक बार गलती माना जा सकता है पर नो बाल नहीं। बुमराह आईपीएल 2026 में अब तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं. उनको विकेट लेने में काफी संघर्ष करना पड़ा है। इसी कारण मुम्बई टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बुमराह ने हिम्मत सिंह को कैच आउट कराया पर गेंद नो बाल हो गयी। इसके बाद हिम्मत ने 40 रन बनाए और लखनऊ का स्कोर 220 के ऊपर पहुंचा दिया। गावस्कर ने बुमराह की आलोचना करते हुए कहा कि टी20 क्रिकेट में पेशेवर खिलाड़ियों का नो बाल फेंकना बिल्कुल भी स्वीका नहीं किया जा सकता है। गावस्कर ने कहा, 'मुझे फिर मत सिखाये। मुझे मत बताइए कि बुमराह ने नो-बॉल फेंकी है। यह स्वीकार्य नहीं है। आप एक पेशेवर क्रिकेटर हैं, यह स्वीकार्य नहीं है। वाइड गेंद समझ में आती है पर नो-बॉल नहीं।' गौरतलब है कि लखनऊ के खिलाफ भी बुमराह एक भी विकेट नहीं ले पाये और अपने ओवरों में उन्होंने 45 रन दे दिये। आईपीएल 2026 में बुमराह ने 10 मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं। यही कारण है कि मुंबई इंडियंस को कई मुकाबलों में हार कसा सामना करना पड़ा है। बुमराह डेथ ओवर्स में दबाव बनाते थे और मुम्बई को आगे रखते थे, पर इस बार ऐसा नहीं हो पाया जिससे विरोधी टीमों के बल्लेबाज हावी हो गये।

टी20 का क्रेज वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट की असलियत से नहीं बचा पाएगा, संजय मांजरेकर का तीखा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने इस बढ़ती मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, लेकिन अभी के लिए उन्होंने इसे सिर्फ टी20 तक ही सीमित रखा है। मांजरेकर ने उनके जबरदस्त आईपीएल 2026 प्रदर्शन की ओर इशारा किया जिसमें उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसे वर्ल्ड-क्लास गेंदबाजों के खिलाफ भी निडर होकर खेला था।

सूर्यवंशी, जो अब 15 साल के हैं, ने पिछले साल अपने पहले आईपीएल सीजन में एक ऐतिहासिक शतक लगाकर क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा दिया था। इसके बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट और अंडर-19 स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया जिसमें इस साल की शुरुआत में -19 वर्ल्ड कप के फाइनल में बनाया गया रिकॉर्ड 175 रनों का स्कोर भी शामिल है। आईपीएल2026 में उन्होंने अपने प्रदर्शन को एक और ऊंचाई पर पहुंचाते हुए 10 मैचों में 404 रन बनाए और वह भी 237.64 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से।

इन शानदार प्रदर्शनों के बाद यह अटकलें तेज हो गईं कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) आईपीएल के बाद उन्हें सीधे नेशनल टीम में शामिल कर सकता है, और मांजरेकर भी इस बात से सहमत थे। स्पोर्टस्टार के 'इनसाइट एज' पॉडकास्ट पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'आईपीएल को भारतीय टी20 टीम में जगह बनाने के एक मंच के तौर पर देखते हुए, और साथ ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन पर भी नजर रखते हुए–जहाँ उन्होंने एक शतक [महाराष्ट्र के ख़िलाफ़] भी बनाया है–मुझे लगता है कि उन्होंने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर कोई खिलाड़ी इस तरह से इस बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेर रहा है, तो इसका मतलब है कि वह पूरी तरह से तैयार है।%

उन्होंने यह भी माना कि भारत के पास पहले से ही ओपनर्स की एक लंबी कतार मौजूद है जिसमें शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, ऐसे में

सूर्यवंशी को टीम में शामिल करना शायद उतना आसान न हो। उन्होंने आगे कहा, %हो सकता है कि वह तो तैयार हों, लेकिन क्या दूसरे खिलाड़ी उनके लिए अपनी जगह छोड़ने को तैयार हैं? क्योंकि भारत में ओपनिंग स्लॉट्स के लिए खिलाड़ियों के बीच काफी जबरदस्त मुकाबला चल रहा है। अगर सूर्यवंशी इज्ज़त चाहता है...'

मांजरेकर ने कहा कि सूर्यवंशी उन नए दौर के क्रिकेटरों में से एक है जो टी20 क्रिकेट के हिसाब से आक्रामक, बाउंड्री लगाने वाले अंदाज में खेलते हैं, और अक्सर अपने हाथ खोलने के लिए जगह बनाते हैं। हालांकि, उनका मानना है कि यह तरीका टेस्ट क्रिकेट में शायद काम न आए। उन्होंने कहा, 'हाल के सालों के लगातार अच्छा खेलने वाले टी20 बल्लेबाजों को देखें, तो सूर्यवंशी लेग साइड में रहता है और मिडिल स्टंप पर आई गेंद को पॉइंट की तरफ मारता है, क्योंकि वह ऐसा करने के लिए जगह बनाता है। टेस्ट क्रिकेट में सलाह यह दी जाती है कि गेंद के जितना हो सके करीब जाकर खेलें। इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका में गेंद से दूर रहकर आप रन नहीं बना पाएंगे।'

मांजरेकर ने आखिर में कहा कि जहां टी20 क्रिकेट से शोहरत और पैसा मिल सकता है, वहीं असली इज्जत तो टेस्ट क्रिकेट में ही है और इसके लिए खेल की तकनीक में कुछ बदलाव करने होंगे। उन्होंने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा मशहूर और अमीर बने, तो टी20 बैटिंग उसके लिए सही है। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि वह हम जैसे लोगों, यानी क्रिकेट के जानकारों से इज्जत कमाए, तो उसे गेंद की लाइन के जितना हो सके करीब जाकर खेलना होगा।'

भारत के स्कीट निशानेबाज आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन में फाइनल में जगह बनाने में नाकाम

अल्माटी (कजाखस्तान)। भारतीय स्कीट निशानेबाजों ने मंगलवार को यहां ISSF विश्व कप शॉटगन में निराश किया जब पुरुषों और महिलाओं दोनों ही वर्ग वे फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। ओलंपियन मैराज अहमद खान और रेजा ढिल्लों भारतीय निशानेबाजों में शीर्ष पर रहे। सोमवार को 75 में से 71 का स्कोर बनाकर दूसरे दिन की शुरुआत 26वें स्थान से करने वाले मैराज ने अंतिम दो सीरीज में 23 और 25 का स्कोर किया। वह कुल 119 अंक के साथ क्वालीफिकेशन चरण में 18वें स्थान पर रहे। रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे भवतेग सिंह गिल भी 119 अंक (24, 24, 23, 24, 24) के साथ मैराज से एक स्थान नीचे 19वें पायदान पर रहे। ओलंपियन अनंतजीत सिंह नरूका ने चौथी सीरीज की शुरुआत पूरे 25 अंक के साथ की लेकिन अगली सीरीज में 23 अंक से कुल 117 अंक के साथ 38वां स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में तीसरे भारतीय निशानेबाज राष्ट्रीय चैंपियन गुरजोत सिंह खंगुरा ने अपनी अंतिम दो सीरीज में 22 और 23 का स्कोर किया। वह 115 अंक के साथ 54वें स्थान पर रहे। रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे अभय सिंह सेखों ने चौथी और पांचवीं सीरीज में 23 और 20 का स्कोर किया। वह कुल 113 अंक के साथ 71वें स्थान पर रहे। महिलाओं के वर्ग में पहले दिन के बाद नौवें स्थान पर चल रही गनेमत सेखों अंतिम दो सीरीज में 22 और 20 के खराब स्कोर से कुल 112 अंक के साथ 33वें स्थान पर खिसक गईं। रेजा ढिल्लों ने 115 अंक (22, 23, 24, 23, 23) के साथ 17वां स्थान हासिल किया। परिनाज धालीवाल आखिरी दो सीरीज में 24 और 22 के स्कोर से कुल 112 अंक से 32वें स्थान पर रहीं। रैंकिंग अंक के लिए मुकाबला कर रहीं वंशिका तिवारी और रश्मि राठौड़ क्रमश : 112 और 102 अंक के साथ 29वें और 47वें स्थान पर रहीं।

निशिकोरी इस सत्र के बाद टेनिस को कहेंगे अलविदा

टोक्यो । जापान के दिग्गज पुरुष टेनिस खिलाड़ी केई निशिकोरी इस सत्र के अंत में खेल को अलविदा कह देंगे। रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता रहे निशिकोरी किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी हैं। 36 साल के हो रहे निशिकोरी ने अपने संन्यास की योजना सोशल मीडिया में साझा की है। निशिकोरी ने कहा, मैंने इस सत्र के अंत में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेना तय किया है। साथ ही कहा

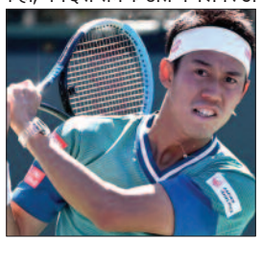

कि टेनिस उनका बचपन का जुनून रहा है। उन्होंने एटीपी टूर तक पहुंचने, शीर्ष स्तर के मुकाबले खेलने और शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उपलब्धि पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि इस दौरान उन्हें प्रशंसकों का भी भरपूर प्यार मिला। अपने करियर के बारे में बात करते हुए, निशिकोरी ने स्वीकार किया कि बार-बार लगने वाली चोटों ने उन्हें बहुत परेशान किया। ऐसे भी समय थे जब बार-बार चोट लगने की वजह से वह तनाव के कारण अवसाद ग्रस्त भी हुए हैं। जिससे मैं जैसा चाहता था वैसा नहीं खेल पाता था, उन्होंने कहा। इसके बावजूद, टेनिस के प्रति उनके प्रेम और एक मजबूत खिलाड़ी बनने के विश्वास ने उन्हें हमेशा कोर्ट पर वापस लौटने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इन सभी अनुभवों ने मेरी जिंदगी को बेहतर बनाया है और उसे आकार दिया है। मैं अपने परिवार और उन सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने हर समय मेरा साथ दिया। निशिकोरी ने स्वीकार किया कि वह अब भी अपना खेल करियर जारी रखना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने गर्व के साथ कहा कि उन्होंने अपना सब कुछ दिया। उन्होंने अपनी यात्रा पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, मैं सच में इस रास्ते पर चलकर खुश हूं।

भारत का जलवा बरकरार, टी20आई रैंकिंग में नंबर 1 पर कायम टीम इंडिया

दुबई (एजेंसी)। तीन बार की वर्ल्ड कप विजेता टीम भारत ने मंगलवार को ICC T20I रैंकिंग में टॉप स्थान बरकरार रखा जिसके बाद इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। भारत ने मार्च में इतिहास रच दिया था, जब उसने श्रीलंका के साथ मिलकर टी20 वर्ल्ड कप की मेज़बानी की थी। भारत टी20 वर्ल्ड कप का खिताब सफलतापूर्वक बचाने वाली और इसे रिकॉर्ड तीसरी बार जीतने वाली पहली टीम बन गई थी।

ICC ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'ताजा रैंकिंग में मई 2025 से खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत और पिछले दो सालों के मैचों को 50 प्रतिशत वेटेज दिया गया है।' इसमें आगे कहा गया, '275 अंकों के साथ भारत की इंग्लैंड (262 अंक) पर बढ़त सिर्फ एक अंक कम हुई है जबकि ऑस्ट्रेलिया 258 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के काफी करीब है।'

दो बार की विजेता इंग्लैंड के पास 262 रेटिंग अंक हैं, जबकि एक बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के पास 258 अंक हैं। कुल मिलाकर ICC T20I रैंकिंग में टॉप 7 टीमों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड (247), दक्षिण अफ्रीका (244), पाकिस्तान (240) और वेस्टइंडीज़ (233) अपनी-अपनी पोज़िशन पर बरकरार हैं। हालांकि, श्रीलंका (221) ने छह रेटिंग अंक गंवा दिए हैं और नौवें स्थान पर खिसक गई है, जबकि बांग्लादेश (225) एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गई है। अफगानिस्तान (220) 10वें स्थान पर है और श्रीलंका से उसका अंतर बहुत कम है। जिम्बाब्वे और आयरलैंड क्रमशः 11वें और 12वें स्थान पर हैं।

ICC ने कहा, 'उत्तरी अमेरिका में क्रिकेट की उभरती हुई ताकत, USA, छह अंक हासिल करके दो स्थान ऊपर चढ़ गई है और 13वें स्थान पर पहुंच गई है; उसने नीदरलैंड्स और स्कॉटलैंड को पीछे छोड़ दिया है, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। नामीबिया 16वें स्थान पर बरकरार रही, जबकि नेपाल (17वें) और ओमान (19वें) ने एक-एक स्थान की छलांग लगाई और क्रमशः UAE (18वें) और कनाडा (20वें) को पीछे छोड़ दिया।'

ICC ने बताया कि रैंकिंग में शामिल टीमों की संख्या 102 से घटकर 98 हो गई है। ICC ने कहा, 'रैंकिंग में शामिल टीमों की संख्या 102 से घटकर

98 हो गई है, क्योंकि फिजी, गाम्बिया, ग्रीस और इजराइल इस लिस्ट में जगह नहीं बना पाए। इसकी वजह यह है कि उन्होंने पिछले तीन सालों में जरूरी आठ T20I मैच नहीं खेले।'